मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर

MALAVIYA NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY JAIPUR

(राष्ट्रीय महत्व का संस्थान)

एमएनआईटी समाचार पत्रिका

नवंबर 2025 संस्करण

Follow us on

mnit.ac.in/about_us/newsletter

विषय-सूची

निदेशक का संबोधन 03

स्वतंत्रता दिवस समारोह 04

ओरिएंटेशन कार्यक्रम 06

वेलनेस कैंप 08

प्रमुख कार्यक्रम 09

स्वच्छता पखवाड़ा 12

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर में हिंदी पखवाड़ा समारोह 13

मालवीय आंतरिक सांस्कृतिक कार्निवल 14

दीक्षांत समारोह 17

एमएनआईटी जयपुर उत्तर भारत में प्रथम स्थान 18

विभागीय झलकियाँ 20

छात्र उपलब्धियाँ 28

अनुसंधान उपलब्धियाँ और परियोजनाएँ 29

संकाय उपलब्धियाँ 30

सम्मेलन और सेमिनार 31

डीनरी पहल 33

पूर्व छात्र सहभागिता 37

पुस्तकालय क्षेत्र 42

वेलनेस केंद्र 48

निदेशक का संबोधन

प्रिय पाठकों,

बहुत गर्व और हर्ष के साथ मैं आपके समक्ष एमएनआईटी जयपुर न्यूज़लेटर के नवंबर संस्करण को प्रस्तुत कर रहा हूँ, जो अगस्त से अक्टूबर 2025 के दौरान संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों और समुदाय-केन्द्रित पहलों को प्रदर्शित करता है। पिछले महीनों में, एमएनआईटी जयपुर ने नए उद्देश्य की भावना के साथ प्रगति की है, जो विभिन्न आयोजनों द्वारा चिह्नित है जिन्होंने न केवल हमारे शैक्षणिक मानकों को ऊंचा किया है बल्कि हमारी सामूहिक पहचान को भी मजबूत किया है।

स्वतंत्रता दिवस और स्वच्छता पखवाड़े के जीवंत उत्सवों से लेकर, ओरिएंटेशन कार्यक्रम के माध्यम से नए प्रवेशकों का स्वागत करने, गहन रूप से आकर्षक मालवीय आंतरिक सांस्कृतिक उत्सव और भव्य दीक्षांत समारोह तक, हमारे परिसर ने ऐसे क्षणों को साक्षी बनाया है जो हमें उत्कृष्टता और समावेशिता से प्रेरित एक समुदाय के रूप में एकजुट करते हैं।

उत्तर भारत में शीर्ष एनआईटी के रूप में एमएनआईटी जयपुर की मान्यता, दीक्षांत समारोह में रिकॉर्ड संख्या में डिग्रियों के प्रदान किए जाने के साथ, हमारी शैक्षणिक शक्ति और हमारे छात्रों एवं संकाय सदस्यों के लचीलेपन का प्रमाण है।

हमारे विभागों ने ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाना जारी रखा है, विशेषज्ञ व्याख्यानों, अंतर्राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रमों, शोध कार्यशालाओं और स्थिरता पहलों का आयोजन किया है। तकनीकी पत्रिकाओं का शुभारंभ, उत्कृष्ट संकाय पुरस्कार, और उल्लेखनीय छात्र उपलब्धियां जैसे एआई-संचालित नवाचार के लिए राष्ट्रीय चयन, हर स्तर पर बौद्धिक जिज्ञासा और नेतृत्व को बढ़ावा देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं।

सहयोग और साझा विकास हमारी यात्रा के केंद्र में बने हुए हैं, चाहे वह पूर्व छात्र जुड़ाव, वैश्विक शैक्षणिक साझेदारी, या सामुदायिक पहुंच के माध्यम से हो। यह संस्करण कल्याण, रचनात्मकता और एकजुटता की भावना को भी उजागर करता है, जो हमारे ओरिएंटेशन कार्यक्रमों, कल्याण शिविरों और सांस्कृतिक उत्सव में स्पष्ट है,जो एक पोषणकारी और प्रगतिशील परिसर वातावरण की रीढ़ हैं।

जैसे-जैसे हम आगे देखते हैं, आइए हम ईमानदारी के साथ नवाचार करें, सहानुभूति के साथ नेतृत्व करें, और सेवा के मूल्यों को बनाए रखें। आशा है कि ये पृष्ठ हमें अपनी उपलब्धियों का उत्सव मनाने, अपनी यात्रा से सीखने और उद्देश्य तथा उत्कृष्टता के साथ मिलकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे।

सादर शुभकामनाओं और नवीन प्रेरणा के साथ

प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी
निदेशक, एमएनआईटी जयपुर

स्वतंत्रता दिवस

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर ने 15 अगस्त 2025 को प्रभा भवन में 79वें स्वतंत्रता दिवस को अत्यधिक उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया। समारोह की शुरुआत प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी, निदेशक, एमएनआईटी जयपुर द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई, जिसके बाद राष्ट्रगान गाया गया। अपने संबोधन में, प्रो. एन. पी. पाढ़ी ने संस्थान की उपलब्धियों, चल रही स्थिरता पहलों, और नवाचार, समावेशिता तथा परिसर-व्यापी पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति इसकी प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

स्वतंत्रता दिवस

इस दिन को हरित स्वतंत्रता उत्सव के रूप में चिह्नित करने के लिए, एमएनआईटी जयपुर पूर्व छात्र संघ ने छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ मिलकर हमारे निदेशक प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी के नेतृत्व में चंद्रशेखर छात्रावास और पूरे परिसर में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। यह पहल राष्ट्र के नायकों को हार्दिक श्रद्धांजलि के रूप में कार्य करती है, साथ ही पर्यावरणीय स्थिरता और सामुदायिक भागीदारी के प्रति एमएनआईटी जयपुर के समर्पण को मजबूत करती है।

यह कार्यक्रम एकता, गर्व और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को खूबसूरती से दर्शाता है, जो भारत की स्वतंत्रता और साझा मूल्यों का जश्न मनाने के लिए एमएनआईटी जयपुर समुदाय के सभी सदस्यों को एक साथ लाता है।

समारोह के हिस्से के रूप में, पिछले दिन आयोजित रंगोली प्रतियोगिता ने छात्रों की कलात्मक प्रतिभा और देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में देशभक्ति गीत, शास्त्रीय और लोक नृत्य प्रस्तुतियां, और भारत के स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित एक नुक्कड़ नाटक शामिल था। एक स्थानीय सरकारी स्कूल द्वारा विशेष प्रस्तुति ने इस अवसर की जीवंतता को बढ़ाया, जो वंदे मातरम की भावपूर्ण प्रस्तुति के साथ समाप्त हुआ, जिसने दर्शकों को गर्व और कृतज्ञता में एकजुट किया।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर ने बैच 2025–26 के प्रथम वर्ष के स्नातक छात्रों के लिए 28 से 31 अगस्त 2025 तक चार दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया, ताकि परिसर जीवन में सुगम और आकर्षक संक्रमण सुनिश्चित किया जा सके।

कार्यक्रम की शुरुआत 28 अगस्त 2025 को शाम 5:15 बजे विवेकानंद व्याख्यान रंगमंच परिसर (वीएलटीसी) में हुई, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री सुब्रोकमल दत्ता, एक प्रसिद्ध सार्वजनिक नीति विशेषज्ञ और मीडिया व्यक्तित्व, प्रो. एन. पी. पाढ़ी, निदेशक, एमएनआईटी जयपुर, डीन और वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। गणमान्य व्यक्तियों ने छात्रों को शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने, नवाचार को अपनाने और जिम्मेदार भावी नेता बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान व्यक्तिगत जुड़ाव सुनिश्चित करने के लिए छात्रों को बैचों में विभाजित किया गया।

समग्र दृष्टिकोण अपनाते हुए, ओरिएंटेशन में शैक्षणिक मार्गदर्शन, स्वास्थ्य और कल्याण गतिविधियां, विशेषज्ञ वार्ता और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल किए गए। प्रत्येक सुबह की शुरुआत योग, ध्यान और एरोबिक्स सत्रों (सुबह 6:30–7:30) से हुई, जो शारीरिक फिटनेस और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देते हैं। कॉलेज जीवन में संक्रमण के लिए कौशल संचालन पर कल्याण कार्यशालाएं (सुबह 9:00–दोपहर 1:00) लचीलेपन, तनाव प्रबंधन और व्यक्तिगत विकास पर केंद्रित थीं। परिसर और विभाग भ्रमण (सुबह 10:00–दोपहर 12:00) ने छात्रों को प्रयोगशालाओं, छात्रावासों और शैक्षणिक सुविधाओं से परिचित कराया, जिससे उन्हें अपने नए वातावरण में घुलने-मिलने और सहजता से ढलने में मदद मिली।

क्लब ओरिएंटेशन (सुबह 9:00–दोपहर 1:00) ने छात्रों को एमएनआईटी के सांस्कृतिक, तकनीकी और पाठ्येतर क्लबों के जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र से परिचित कराया। प्रत्येक क्लब ने अपनी गतिविधियों, उपलब्धियों और आगामी कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया, जिससे छात्रों को शैक्षणिक के अतिरिक्त अपनी रुचियों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम

मन प्रबंधन, आदतों की शक्ति, लैंगिक संवेदनशीलता, पोषण और कॉलेज जीवन का उद्घाटन जैसे विषयों पर प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा विशेषज्ञ वार्ताओं ने व्यक्तिगत विकास, सामाजिक जागरूकता और प्रभावी अधिगम पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की।

30 अगस्त को एक प्रेरक फिल्म रात्रि ने नए छात्रों के लिए एक आरामदायक और प्रेरणादायक अनुभव प्रदान किया। अगले दिन पूर्व छात्र-उद्योग संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों जिनमें श्री आशीष अरोड़ा (सीएओ, नारायणा एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस) और श्री शुभम माहेश्वरी (सीईओ, बीइंग शेफ, गुड़गांव) शामिल थे, ने अपनी यात्राओं को साझा किया, और नेतृत्व, करियर विकास और उद्यमिता के पाठों से छात्रों को प्रेरित किया।

सांस्कृतिक संध्या, जो शाम 6:30 से 8:00 बजे तक केंद्रीय लॉन पर आयोजित की गई, ने कार्यक्रम के जीवंत समापन को चिह्नित किया। प्रस्तुतियों में गणेश वंदना पर भरतनाट्यम, कथक, राजस्थानी लोक, नाटकीय प्रस्तुतियां, संगीत और वरिष्ठ तथा प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा सामूहिक नृत्य शामिल थे। आगामी उत्सवों के टीज़रों के अनावरण ने उत्साह और उत्सव की भावना को और बढ़ा दिया।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम 2025–26 सफलतापूर्वक समाप्त हुआ, जिसने छात्रों को प्रेरित, जुड़ा हुआ और एमएनआईटी जयपुर में उनकी शैक्षणिक यात्रा के लिए अच्छी तरह से तैयार छोड़ दिया। कल्याण, शैक्षणिक मार्गदर्शन, पाठ्येतर जुड़ाव और सांस्कृतिक जीवंतता का मिश्रण करते हुए, कार्यक्रम ने वास्तव में अपने नवीनतम सदस्यों के बीच समग्र विकास और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देने के प्रति एमएनआईटी की प्रतिबद्धता को दर्शाया।

वेलनेस कैंप 2025: एमएनआईटी जयपुर समग्र कल्याण का पोषण

वेलनेस कैंप 2025, जिसका आयोजन डीन, छात्र कल्याण कार्यालय के अंतर्गत वेलनेस क्लब द्वारा किया गया, 29 से 31 अगस्त 2025 तक एपीजे अब्दुल कलाम हॉल, वीएलटीसी, एमएनआईटी जयपुर में आयोजित किया गया। नए स्नातक प्रवेशकों के लिए डिज़ाइन किए गए इस शिविर ने कल्याण के चार प्रमुख आयामों,सामाजिक, डिजिटल, मानसिक और शारीरिक कल्याण पर ध्यान केंद्रित किया, ताकि समग्र विकास और संतुलित जीवनशैली को बढ़ावा दिया जा सके।

सामाजिक कल्याण: जुड़िए और आगे बढ़िए

डॉ. मनोज लुइस एम्ब्रोस के नेतृत्व में, इस सत्र ने इंटरैक्टिव गतिविधियों और खेलों के माध्यम से टीम वर्क, सहयोग और पारस्परिक संबंधों पर जोर दिया। प्रतिभागियों ने धागा और बोतल, कप चैलेंज और हुला हूप रिले जैसी मजेदार लेकिन सार्थक चुनौतियों में भाग लिया, जिससे छात्रों के बीच सौहार्द, संचार और सामुदायिक भावना को बढ़ावा मिला।

डिजिटल कल्याण: डिजिटल दुनिया में कल्याण

डॉ. सुप्रभा के. आर., सहायक प्राध्यापक, एनआईटीके सुरथकल द्वारा संचालित इस सत्र ने छात्रों को अपनी स्क्रीन-टाइम आदतों पर विचार करने और सचेत प्रौद्योगिकी उपयोग अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इंटरैक्टिव अभ्यासों के माध्यम से, प्रतिभागियों ने डिजिटल विकर्षणों के प्रभाव की खोज की और उत्पादकता तथा डिजिटल जुड़ाव को संतुलित करने के व्यावहारिक तरीकों पर चर्चा की। सत्र ने एकाग्रता और कल्याण को बनाए रखने में सचेत तकनीक उपयोग के महत्व को रेखांकित किया

मानसिक कल्याण: अपने एक्स-फैक्टर की खोज करें

यह सत्र संयुक्त रूप से डॉ. रितिका महाजन, वेलनेस समन्वयक, डीएसडब्ल्यू कार्यालय, और सुश्री अर्सी धारीवाल, मनोवैज्ञानिक, एमएनआईटी औषधालय द्वारा संचालित किया गया, जिसमें नवगठित वेलनेस क्लब का परिचय दिया गया और छात्र जीवन के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में मानसिक स्वास्थ्य पर प्रकाश डाला गया। सत्र के दौरान आयोजित एक मनोवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने छात्रों के कल्याण का आकलन करने में मदद की और संस्थान में भविष्य की कल्याण पहलों का मार्गदर्शन करेगा।

शारीरिक कल्याण: फिट और शानदार

डॉ. कीर्ति जैन, प्रसिद्ध स्वास्थ्य और पोषण विशेषज्ञ ने इस सत्र का नेतृत्व किया, जो संतुलित आहार, सचेत भोजन, जलयोजन और फिटनेस पर केंद्रित था। इंटरैक्टिव कार्यशाला ने छात्रावास जीवन के लिए व्यावहारिक आहार प्रबंधन और टिकाऊ स्वस्थ दिनचर्या पर जोर दिया। छात्रों ने सक्रिय रूप से चर्चाओं में भाग लिया, और अपने दैनिक जीवन में कल्याण को एकीकृत करने पर मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त की।

वेलनेस कैंप 2025 ने नए छात्रों के बीच समग्र स्वास्थ्य और सचेतनता की संस्कृति को सफलतापूर्वक स्थापित किया। प्रत्येक सत्र ने मूल्यवान सीख प्रदान की—टीम वर्क, संतुलित डिजिटल आदतों, भावनात्मक जागरूकता और शारीरिक जीवन शक्ति को प्रोत्साहित करते हुए। यह पहल एमएनआईटी जयपुर द्वारा एक सहायक और कल्याण-उन्मुख परिसर वातावरण के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था, जहां छात्र शैक्षणिक और व्यक्तिगत दोनों रूप से फलते-फूलते हैं।

प्रमुख कार्यक्रम

एंटी-रैगिंग दिवस

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर ने 12 अगस्त 2025 को एंटी-रैगिंग दिवस मनाया, जो एक सप्ताह भर चलने वाले एंटी-रैगिंग जागरूकता कार्यक्रमों की शुरुआत थी।

अपने संबोधन में, डीन (छात्र कल्याण) ने सप्ताह की गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की और पुनः पुष्टि की कि संस्थान में किसी भी प्रकार की रैगिंग सख्ती से अस्वीकार्य है। प्रो. कनुप्रिया सचदेव, डीन (छात्र कल्याण) ने जोर देकर कहा कि एमएनआईटी जयपुर सामूहिक जिम्मेदारी के माध्यम से एक रैगिंग-मुक्त परिसर बना हुआ है और सभी से एक सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण बनाए रखने की प्रतिज्ञा लेने का आग्रह किया।

निदेशक, प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी का एक वीडियो संदेश प्रो. रोहित गोयल, डीन (पी एंड डी), और प्रो. कनुप्रिया सचदेव, डीन (छात्र कल्याण) द्वारा उद्घाटित किया गया। अपने संदेश में, प्रो. एन. पी. पाढ़ी ने छात्रों, उनके परिवारों और सभी हितधारकों से एमएनआईटी जयपुर को शून्य-रैगिंग संस्थान बनाए रखने की अपील की, उन्हें याद दिलाते हुए कि रैगिंग कोई परंपरा नहीं बल्कि एक अपराध है जो विश्वास और सम्मान को नष्ट करता है।

डॉ. विकास सांगल, सहयोगी डीन (अनुशासन), ने संस्थान के एंटी-रैगिंग नियमों को प्रस्तुत किया और एंटी-रैगिंग स्क्वाड के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया। पूरे सप्ताह में, विभिन्न गतिविधियां—जिनमें विशेषज्ञ व्याख्यान, नुक्कड़ नाटक, निबंध लेखन, और पोस्टर तथा नारा प्रतियोगिताएं शामिल हैं—जागरूकता को बढ़ावा देने और रैगिंग-मुक्त संस्कृति के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए आयोजित की जा रही हैं।

प्रमुख कार्यक्रम

एमएनआईटी जयपुर में प्रो. रंजन के. मल्लिक द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान

एमएनआईटी जयपुर ने 3 अक्टूबर 2025 को प्रो. रंजन के. मल्लिक, आईईईई फेलो और आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर द्वारा "मल्टी-लेवल सिग्नलिंग फॉर नॉनकोहेरेंट एस आई एम ओ" विषय पर एक प्रेरणादायक विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन किया।

जे. सी. बोस राष्ट्रीय फेलो और शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार विजेता, प्रो. मल्लिक ने नॉनकोहेरेंट डिटेक्शन तकनीकों पर अपनी अत्याधुनिक अंतर्दृष्टि से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने एक नवीन एम्प्लीट्यूड-फ्रीक्वेंसी कीइंग (एएफके) योजना का परिचय दिया, जो पारंपरिक एएसके और एफएसके विधियों की तुलना में इसके उत्कृष्ट प्रदर्शन को उजागर करती है। सत्र ने गहन सैद्धांतिक अवधारणाओं को प्रभावशाली संख्यात्मक परिणामों के साथ सहजता से मिश्रित किया, जिससे प्रतिभागियों को अगली पीढ़ी की वायरलेस संचार प्रणालियों पर नए दृष्टिकोण प्राप्त हुए।

कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, छात्रों और शोधकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिससे रोचक चर्चाओं और शैक्षणिक जिज्ञासा की भावना को बढ़ावा मिला। एमएनआईटी जयपुर अपने ज्ञानवर्धक व्याख्यान के लिए प्रो. रंजन के. मल्लिक और उत्साहपूर्ण भागीदारी के लिए सभी उपस्थित लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

रूट्स ऑफ रिस्पॉन्सिबिलिटी पहल के अंतर्गत ट्री टैगिंग चैलेंज

हमें यह साझा करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि ट्री टैगिंग चैलेंज का आयोजन रूट्स ऑफ रिस्पॉन्सिबिलिटी (आरओआर) पहल के अंतर्गत किया गया, जिसने इस महीने गर्व के साथ अपनी यात्रा के एक वर्ष पूर्ण होने का उत्सव मनाया।

प्रमुख कार्यक्रम

प्रो. मंजू सिंह के नेतृत्व में, यह पहल "एक पेड़ माँ के नाम" की भावना को मूर्त रूप देती है, जो प्रतिभागियों को कृतज्ञता और देखभाल के प्रतीक के रूप में अपनी माँ के नाम पर एक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

प्रतियोगिता ने प्रतिभागियों को टिकाऊ सामग्री का उपयोग करके पर्यावरण-अनुकूल टैग डिजाइन करने और लगाने के लिए आमंत्रित किया। प्रविष्टियों का मूल्यांकन प्रो. पंचानन मोहंती और प्रो. विभूति सिंह शेखावत द्वारा रचनात्मकता, स्थायित्व, टिकाऊपन और आकर्षकता के मानदंडों पर किया गया।

सुश्री दीपा बत्रा, श्री सचिन भांबू और सुश्री लाभिशा मीणा को विजेता घोषित किया गया, जबकि सुश्री निकिता पूनिया को उनकी कलात्मक पत्थर पेंटिंग के लिए विशेष उल्लेख प्राप्त हुआ। कार्यक्रम गर्व के साथ समाप्त हुआ, जो रूट्स ऑफ रिस्पॉन्सिबिलिटी के सहानुभूति और पर्यावरणीय प्रबंधन के स्थायी संदेश के साथ प्रतिध्वनित हुआ।

एमएनआईटी जयपुर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का उद्घाटन समारोह

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का उद्घाटन समारोह मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) जयपुर में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी, निदेशक, एमएनआईटी जयपुर; सम्मानित अतिथि के रूप में श्री सौरांशु सिन्हा, उप सचिव (सतर्कता), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; और प्रो. विजय जनयानी, मुख्य सतर्कता अधिकारी, एमएनआईटी जयपुर की प्रतिष्ठित उपस्थिति में आयोजित किया गया।

समारोह की शुरुआत संस्थागत कार्यप्रणाली में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्व को रेखांकित करने वाले सारगर्भित संबोधनों से हुई। अपने संबोधन में, प्रो. एन. पी. पाढ़ी ने प्रारंभिक वर्षों से ही मूल्य-आधारित शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया, जो जिम्मेदार और ईमानदार की एक पीढ़ी को बढ़ावा देती है। उन्होंने प्रकाश डाला कि सत्यनिष्ठा केवल वित्तीय आचरण तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन में प्रत्येक कार्य और निर्णय को समाहित करती है। प्रो. पाढ़ी ने एमएनआईटी समुदाय के सभी सदस्यों से सतर्कता को जीवन शैली के रूप में अपनाने और ईमानदारी, जिम्मेदारी तथा नैतिक प्रतिबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का आग्रह किया।

स्वच्छता पखवाड़ा

स्वच्छता पखवाड़ा 2025: एक स्वच्छ, हरित और टिकाऊ एमएनआईटी जयपुर की ओर

एमएनआईटी जयपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने स्वच्छता पखवाड़ा 2025 को सक्रियता से मनाया, जिसमें परिसर में प्रभावशाली पहलों की एक श्रृंखला के माध्यम से स्वच्छता, स्थिरता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट किया गया।

पखवाड़े भर चलने वाले उत्सव के हिस्से के रूप में, 15 सितंबर 2025 को चंद्रशेखर छात्रावास में एक वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया, जहां एनएसएस स्वयंसेवकों, संकाय सदस्यों और अतिथियों ने पर्यावरणीय चेतना और एक हरित परिसर को बढ़ावा देने के लिए छाया देने वाले पौधे लगाए। 25 सितंबर 2025 को, स्वच्छता ही सेवा 2025 की "एक दिन, एक घंटा, एक साथ" थीम के अंतर्गत, परिसर-व्यापी स्वच्छता अभियान में संकाय, छात्रों और सफाई मित्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। गतिविधियों में सफाई, कचरा संग्रहण, प्लास्टिक कूड़े को हटाना और बगीचे का सौंदर्यीकरण शामिल था, जिसके बाद स्वच्छता प्रतिज्ञा ली गई, जो श्रमदान और सामूहिक जिम्मेदारी की सच्ची भावना को दर्शाती है।

स्थिरता के प्रति अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए, एमएनआईटी जयपुर उदाहरण के रूप में अग्रणी बना हुआ है। संस्थान वर्तमान में 1.15 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पन्न करता है, जिसे 2 मेगावाट तक विस्तारित करने की योजना है, राजस्थान में पहली छत वर्षा जल पुनर्भरण प्रणाली का संचालन करता है, और 1.7 एमएलडी सीवेज उपचार क्षमता बनाए रखता है—1999 से परिसर सिंचाई के लिए उपचारित जल का पुनः उपयोग करता है। नियमित पेयजल गुणवत्ता जांच सभी के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करती है।

हिंदी पखवाड़ा

अपनी उपलब्धियों में वृद्धि करते हुए, एमएनआईटी जयपुर भारतीय ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) ग्रीन कैंपस "प्लेटिनम" रेटिंग प्राप्त करने वाला पहला संस्थागत परिसर बन गया है, जो टिकाऊ विकास और स्वच्छता प्रथाओं में इसके नेतृत्व को मान्यता देता है। संस्थान को निर्माण सुरक्षा के लिए ग्रिहा काउंसिल के पुरस्कार और आचार्य भवन के लिए भारतीय कंक्रीट संस्थान के उत्कृष्ट कंक्रीट संरचना पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है।

ये सामूहिक मील के पत्थर स्वच्छ, हरित और जिम्मेदार परिसर विकास में एक राष्ट्रीय नेता के रूप में एमएनआईटी जयपुर की स्थिति को पुनः पुष्ट करते हैं, जो अपने समुदाय में स्थिरता और नागरिक गौरव की संस्कृति को प्रेरित करते हैं।

एमएनआईटी जयपुर में हिंदी पखवाड़ा समारोह

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर में 14-30 सितंबर 2025 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया, जिसमें परिसर में हिंदी भाषा के उपयोग और सराहना को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई।

16 सितंबर 2025 को दो कार्यक्रम आयोजित किए गए। पहला डॉ. रितु अग्रवाल और डॉ. कुशल शर्मा (सहायक प्राध्यापक) द्वारा समन्वित लिखित हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (सामान्य और प्रशासनिक) था। कार्यक्रम का उद्देश्य हिंदी में रुचि विकसित करना, प्रतिभागियों के भाषाई और सामान्य ज्ञान का आकलन करना, और हिंदी को राजभाषा के रूप में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना था। प्रश्नोत्तरी में व्याकरण, साहित्य और सामान्य ज्ञान से लेकर राजभाषा नीति तक के विषय शामिल थे।

दूसरा कार्यक्रम "चैलेंजेज़ एंड अपॉर्च्युनिटीज़ ऑफ ग्लोबल बिज़नेस" विषय पर हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता थी, जिसका समन्वयन डॉ. राजीव अग्रवाल और डॉ. विकास सांगल (सह-प्राचार्य) द्वारा किया गया। प्रतियोगिता ने रचनात्मकता, लेखन प्रवीणता और आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित किया, प्रतिभागियों को समकालीन मुद्दे पर अपने विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान किया।

मालवीय आंतरिक सांस्कृतिक महोत्सव

समारोह को जारी रखते हुए, 17 सितंबर 2025 को एक कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका समन्वयन डॉ. कमलेंद्र अवस्थी (सह-प्राचार्य) और डॉ. आशीष त्रिपाठी (सहायक प्राध्यापक) द्वारा किया गया। डॉ. रितु अग्रवाल और श्री बिरेंद्र कुमार पांडे ने निर्णायक के रूप में कार्य किया, जिन्होंने भावना, उच्चारण, प्रस्तुति और सामग्री के आधार पर प्रदर्शनों का मूल्यांकन किया। प्रतिभागियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से हिंदी साहित्य की समृद्धि, देशभक्ति की भावनाओं और समकालीन प्रतिबिंबों को सुंदरता से व्यक्त किया, जिससे एक जीवंत और काव्यात्मक वातावरण निर्मित हुआ।

सभी कार्यक्रम प्रो. राज कुमार व्यास (समन्वयक, राजभाषा प्रकोष्ठ), डॉ. ऋषि तिवारी (सह-समन्वयक, राजभाषा), श्री कुशाग्र चतुर्वेदी (हिंदी अधिकारी), और श्री पवन कुमार शर्मा (अधीक्षक) की उपस्थिति में आयोजित किए गए।

मालवीय आंतरिक सांस्कृतिक उत्सव

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर ने 1 अक्टूबर 2025 को केंद्रीय लॉन में अपने वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव, एम आई सी सी 2025 की मेजबानी की। कार्यक्रम ने छात्रों को अपनी कलात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने और संस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक भावना का जश्न मनाने के लिए एक जीवंत मंच प्रदान किया।

संध्या की शुरुआत शाम 6:15 बजे पारंपरिक दीप प्रज्वलन और भावपूर्ण आरती से हुई, जिसके बाद सहयोगी डीन (सांस्कृतिक) और डीन, छात्र कल्याण द्वारा स्वागत भाषण दिए गए, जिन्होंने समग्र छात्र विकास में सांस्कृतिक जुड़ाव के महत्व पर जोर दिया। समारोह का औपचारिक उद्घाटन प्रो. एन. पी. पाढ़ी, निदेशक, एमएनआईटी जयपुर द्वारा किया गया, जिनके प्रेरणादायक संबोधन ने रात के लिए एक उत्साहपूर्ण माहौल स्थापित किया।

केंद्रीय लॉन को रंगीन रोशनी, पारंपरिक सजावट और रचनात्मक प्रतिष्ठापनों से सजाया गया था, जिसने एक आदर्श उत्सव की पृष्ठभूमि तैयार की। प्रदर्शनों की शुरुआत संगीत क्लब द्वारा पारंपरिक संगीत प्रस्तुति से हुई, इसके बाद फैशन क्लब द्वारा भारत की विविध वेशभूषा और शिल्पकला का जश्न मनाते हुए रैंप वॉक किया गया। नाटक क्लब ने रामायण के "नाक काटने के प्रसंग" की शक्तिशाली प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि नृत्य क्लब ने एक विद्युतीकरण भरी प्रस्तुति के साथ मंच प्रदर्शनों का समापन किया, जिसने वातावरण को ऊर्जा और आनंद से भर दिया। सी ए सी एस कोर टीम द्वारा हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन और ब्लिट्ज टीज़र के अनावरण ने संस्थान के प्रमुख सांस्कृतिक उत्सव के लिए प्रत्याशा को और बढ़ा दिया।

रात का समापन शाम 7:00 से 10:00 बजे तक एक शानदार गरबा और डांडिया उत्सव के साथ हुआ, जहां छात्र, संकाय और कर्मचारी एकता और उत्सव के आनंदपूर्ण प्रदर्शन में नृत्य मंच पर एक साथ आए। गरबा किंग और क्वीन की घोषणा ने उत्साह और खुशी बढ़ाई, जिसने संध्या को एक उच्च नोट पर समाप्त किया।

एम आई सी सी 2025 ने वास्तव में एकजुटता, रचनात्मकता और परिसर गौरव की भावना को दर्शाया, जिसने एमएनआईटी समुदाय को प्रेरित किया और ब्लिट्ज 2025 के भव्य समारोहों की उत्सुकता से प्रतीक्षा करने के लिए प्रेरित किया।

मालवीय आंतरिक सांस्कृतिक महोत्सव

मालवीय आंतरिक सांस्कृतिक महोत्सव

दीक्षांत समारोह

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर ने शनिवार, 11 अक्टूबर 2025 को अपना उन्नीसवां दीक्षांत समारोह गर्व के साथ आयोजित किया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माननीय राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा जी उपस्थित हुए। शैक्षणिक सत्र 2024–25 के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में कुल 1,386 डिग्रियां प्रदान की गईं, जिसमें रिकॉर्ड 154 पीएच.डी. डिग्रियां शामिल हैं, जो संस्थान की शैक्षणिक यात्रा में एक उल्लेखनीय मील का पत्थर है।

समारोह में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए 20 स्वर्ण पदक विजेताओं को भी सम्मानित किया गया, जिसमें निदेशक का उत्कृष्ट स्वर्ण पदक श्री विदित अवस्थी को प्रदान किया गया। उल्लेखनीय रूप से, स्नातक स्वर्ण पदकों में से आधे महिला छात्राओं द्वारा अर्जित किए गए, जो एमएनआईटी की समावेशिता और उत्कृष्टता की बढ़ती संस्कृति को दर्शाता है।

अपने संबोधन में, प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी, निदेशक, एमएनआईटी जयपुर ने संस्थान की निरंतर ऊर्ध्वगामी प्रगति को उजागर किया, उत्तर भारत में शीर्ष रैंक वाले एन आई टी और एन आई आर एफ शोध संस्थान श्रेणी में सभी एन आई टी में तीसरे स्थान पर मान्यता का उल्लेख किया।

कार्यक्रम में 77 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के नामांकन का भी जश्न मनाया गया, जो एमएनआईटी जयपुर के लिए पहली बार है, और संस्थान की पहली तकनीकी पत्रिका "अभिरुचि" का राजभाषा हिंदी में शुभारंभ देखा गया, जो राष्ट्र के नेतृत्व के मार्गदर्शन में शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार और विकसित भारत के दृष्टिकोण के प्रति एमएनआईटी की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट करता है।

एमएनआईटी जयपुर उत्तर भारत में प्रथम स्थान प्राप्त एनआईटी के रूप में उभरा!

एमएनआईटी जयपुर उत्तर भारत में प्रथम स्थान प्राप्त एनआईटी के रूप में उभरा!

एमएनआईटी जयपुर समुदाय के लिए यह गर्व का क्षण है क्योंकि संस्थान एन आई आर एफ 2025 रैंकिंग में उत्कृष्टता की अपनी ऊर्ध्वगामी यात्रा जारी रखते हुए उत्तर भारत में शीर्ष रैंक वाले एन आई टी के रूप में उभरा है। प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी, निदेशक, एमएनआईटी जयपुर के दूरदर्शी नेतृत्व में, संस्थान ने कई श्रेणियों में उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है, जो शैक्षणिक गुणवत्ता, नवाचार और अनुसंधान पर इसके मजबूत ध्यान को दर्शाती है।

उल्लेखनीय रूप से, एमएनआईटी जयपुर को पहली बार शोध संस्थान श्रेणी में सूचीबद्ध किया गया है, जो आर एंड डी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने, प्रभावशाली सहयोगों को बढ़ावा देने और नवाचार तथा विद्वतापूर्ण उत्कृष्टता की संस्कृति को पोषित करने पर निदेशक के जोर को रेखांकित करता है।

रैंकिंग की मुख्य बातें (एन आई आर एफ 2025):

- समग्र: 77 (2024 में 82 से बेहतर)
- इंजीनियरिंग: 42 (2024 में 43 से बेहतर)
- वास्तुकला और योजना: 12 (2024 में 15 से बेहतर)
- प्रबंधन: 62 (2024 में 68 से बेहतर)
- शोध संस्थान - 50
- सतत विकास लक्ष्य - रैंक बैंड 11-50

ये उपलब्धियां शैक्षणिक विशिष्टता के प्रति एमएनआईटी जयपुर की प्रतिबद्धता और देश में अनुसंधान, नवाचार तथा समग्र शिक्षा के एक अग्रणी केंद्र के रूप में इसकी बढ़ती प्रतिष्ठा को पुनः पुष्ट करती हैं।

प्रमुख कार्यक्रम

एमएनआईटी अपनी ऊर्जा मांग का 70% नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों से पूरा कर रहा है

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) जयपुर ने अपनी सौर ऊर्जा प्रणाली के विस्तार के साथ नेट-जीरो परिसर की दिशा में अपनी प्रगति को आगे बढ़ाया है।

उन्नत बुनियादी ढांचे का उद्घाटन प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी, निदेशक, एमएनआईटी जयपुर द्वारा प्रो. रोहित गोयल, डीन (योजना एवं विकास) की उपस्थिति में संकाय, छात्रों और कर्मचारियों के साथ किया गया।

एमएनआईटी की सौर क्षमता को अब 2.0 एम डब्ल्यू पी तक बढ़ा दिया गया है, जिसमें प्रभा भवन पार्किंग, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग पार्किंग और विनोदिनी छात्रावास से अरबिंदो बॉयज छात्रावास के मार्ग पर नई स्थापनाएं की गई हैं। इन परिवर्धनों के साथ, परिसर में अधिकांश प्रमुख छत स्थानों का उपयोग किया जा चुका है।

परिणामस्वरूप, संस्थान की लगभग 70% बिजली की मांग वर्तमान में सौर ऊर्जा के माध्यम से पूरी की जा रही है, जिससे कार्बन उत्सर्जन और ऊर्जा लागत में महत्वपूर्ण कमी आई है। ये प्रयास स्थिरता और जिम्मेदार परिसर विकास के प्रति एमएनआईटी की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

कार्यक्रम का समापन विस्तारित सुविधाओं के संक्षिप्त दौरे और संबंधित परियोजना टीमों के साथ बातचीत के साथ हुआ।

विभागीय झलकियाँ

ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र (सी ई ई)

ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र ने अगस्त-अक्टूबर 2025 के दौरान टिकाऊ नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने के अपने प्रयास जारी रखे।

भाग लिए गए कार्यक्रम:

डॉ. विवेकानंद, सहायक प्राध्यापक ने बायोमास अवशेषों—जैसे लीफ प्रोटीन और पल्प—को उच्च-मूल्य वाले जैव-उत्पादों में परिवर्तित करने पर केंद्रित एक सहयोगी अनुसंधान पहल के हिस्से के रूप में एस एल यू अल्नार्प, स्वीडन (13-22 सितंबर 2025) का दौरा किया, जिसमें खाद्य, चारा और बायोगैस शामिल हैं। बायोमास किण्वन में उनकी विशेषज्ञता ने चक्रीय जैव-अर्थव्यवस्था अध्ययनों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आयोजित कार्यक्रम:

सी ई ई ने 3 सितंबर 2025 को श्री प्रमोद कुमार तिवारी, आई ए एस (महानिदेशक, बी आई एस) और प्रो. एन. पी. पाढ़ी (निदेशक, एमएनआईटी जयपुर) की प्रतिष्ठित उपस्थिति में बी आई एस छात्र चैप्टर की स्थापना को यादगार बनाया। कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षणिक जगत और बी आई एस के बीच सहयोग को मजबूत करना और गुणवत्ता तथा मानकीकरण की संस्कृति को बढ़ावा देना था।

- उसी दिन एक पूर्व छात्र वार्ता का भी आयोजन किया गया, जिसमें श्री विकास कुमार (एम.टेक. 2012–14, डेलॉइट) ने भाग लिया, जिन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा करियर और उभरते स्थिरता रुझानों पर उद्योग अंतर्दृष्टि साझा की।

आमंत्रित वार्ताएं:

- ये विशेषज्ञ सत्र शैक्षणिक ज्ञान को औद्योगिक प्रथाओं से जोड़ने के लिए एक प्रभावी मंच के रूप में कार्य करते हैं, जो छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों और आधुनिक तकनीकी अनुप्रयोगों के संपर्क में लाते हैं।

विभागीय झलकियाँ

आमंत्रित वार्ताएं:

डॉ. कपिल पारीक, विभागाध्यक्ष ने आई ई ई ई दिवस 2025 समारोह के हिस्से के रूप में एम आई टी एस, मदनपल्ले (7 अक्टूबर 2025) में "हाइड्रोजन रिसर्च ट्रेंड्स एंड टेक्नोलॉजीज़" पर एक अतिथि व्याख्यान दिया, जिसमें वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में हाइड्रोजन की विकसित होती भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

रासायनिक इंजीनियरिंग विभाग

रासायनिक इंजीनियरिंग विभाग विशेषज्ञ व्याख्यानों और अनुसंधान गतिविधियों की एक श्रृंखला के माध्यम से औद्योगिक सहयोग और पूर्व छात्र जुड़ाव दोनों में सक्रिय रहा।

आयोजित कार्यक्रम:

विभाग ने प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों द्वारा कई उद्योग-उन्मुख विशेषज्ञ वार्ताओं की मेजबानी की:

सुश्री सोनम खेरारी (ओ एन जी सी, मुंबई) ने 1 सितंबर 2025 को "ऑफशोर ऑपरेशन्स" पर एक ज्ञानवर्धक सत्र प्रस्तुत किया, जिसमें पेट्रोलियम उत्पादन और परिचालन सुरक्षा पर क्षेत्र-स्तरीय दृष्टिकोण साझा किए गए।

श्री पुलकित सिंह (बेक्टेल इंडिया) ने 9 सितंबर 2025 को एल एन जी प्रौद्योगिकी पर एक विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की, जिसमें गैस द्रवीकरण और ऊर्जा संक्रमण में वैश्विक रुझानों पर चर्चा की गई।

विभागीय झलकियाँ

श्री विकेश सिंह बघेल (माइक्रोसॉफ्ट, बेंगलुरु) ने 3 अक्टूबर 2025 को "एप्लाइड ए आई/एम एल इन इंडस्ट्री: चैलेंजेज़, लर्निंग्स, एंड द रोड अहेड" पर एक विचारोत्तेजक सत्र के साथ छात्रों को संलग्न किया।

ये विशेषज्ञ सत्र शैक्षणिक ज्ञान को औद्योगिक प्रथाओं से जोड़ने के लिए एक प्रभावी मंच के रूप में कार्य करते हैं, जो छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों और आधुनिक तकनीकी अनुप्रयोगों के संपर्क में लाते हैं।

कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग (सीएसई)

एमएनआईटी जयपुर के कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग ने इस तिमाही के दौरान असाधारण शैक्षणिक, अनुसंधान और आउटरीच गतिविधि का प्रदर्शन किया, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा और उन्नत कंप्यूटिंग क्षेत्रों में अपने नेतृत्व को मजबूत करता है।

आयोजित कार्यक्रम:

डॉ. मुश्ताक अहमद के मार्गदर्शन में, विभाग ने 8-19 सितंबर 2025 तक एमएनआईटी जयपुर में "क्लाउड एनालिसिस एंड सिक्योरिटी" पर एक अंतर्राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफ डी पी) का आयोजन किया। दो सप्ताह के एफ डी पी ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों को आकर्षित किया, जिसमें क्लाउड आर्किटेक्चर, डेटा एन्क्रिप्शन और सुरक्षित क्लाउड कंप्यूटिंग में उभरते रुझानों पर गहन सत्र प्रस्तुत किए गए। शिक्षा और उद्योग के विशेषज्ञों ने डेटा सुरक्षा ढांचे, ए आई एकीकरण और मल्टी-क्लाउड सुरक्षा प्रथाओं में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि साझा की, जिससे संस्थानों में संकाय क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

भाग लिए गए कार्यक्रम / आमंत्रित वार्ताएं:

सी एस ई संकाय सदस्यों ने आमंत्रित वार्ताओं और प्रतिष्ठित सहयोगों के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक विमर्श में योगदान दिया:

डॉ. विकास कुमार को यू जी सी मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, आर टी एम नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित साइबर सुरक्षा पर ऑनलाइन अल्पकालिक कार्यक्रम (6-11 अक्टूबर 2025) के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था।

विभागीय झलकियाँ

उन्होंने ई एंड आई सी टी अकादमी, एमएनआईटी जयपुर के अंतर्गत शोधकर्ताओं के लिए संगणनात्मक विधियों पर संकाय विकास कार्यक्रम के दौरान "इंट्रोडक्शन टू कम्प्यूटेशनल मेथड्स एंड डेटा क्लासिफिकेशन" पर एक विशेषज्ञ वार्ता भी दी (29 सितंबर 2025), और 25 अगस्त - 1 सितंबर 2025 तक मालवेयर विश्लेषण पर 40 घंटे का संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया।

डॉ. लाविका गोयल ने दो आमंत्रित व्याख्यान दिए—"रीसेंट ट्रेंड्स इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: अ मॉडर्न पर्सपेक्टिव" और "ए आई एंड मशीन लर्निंग फॉर स्मार्ट फार्मिंग एप्लिकेशन्स"—क्रमशः 11 और 18 जुलाई 2025 को, जिसका आयोजन आई ई ई ई भुवनेश्वर सेक्शन और वूमेन इन इंजीनियरिंग एफिनिटी ग्रुप, आई आई आई टी भुवनेश्वर द्वारा किया गया।

डॉ. नीता नैन ने शिक्षा मंत्रालय (एम ओ ई), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, 23-27 जून 2025 तक एमएनआईटी जयपुर में "इंट्रोडक्शन टू जेनरेटिव ए आई मॉडल्स" पर एक जी आई ए एन पाठ्यक्रम आयोजित किया।

डॉ. महीपाल जाडेजा को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के ए आई इन एजुकेशन (ए आई ई ओ यू) हब द्वारा उनके आर्टिकल "कोड ऑर क्लिक्स? रीअसेसिंग प्रोग्रामिंग स्किल्स इन एन ए आई-ड्रिवन वर्ल्ड" के लिए फीचर्ड किया गया, जो 18 सितंबर 2025 को पब्लिश्ड हुआ। पीस प्रोग्रामिंग एजुकेशन पर ए आई के इम्पैक्ट को एक्सप्लोर करता है और उनकी बाइलिंगुअल ए आई ट्यूटर इनिशिएटिव "पायथन की पाठशाला" को हाइलाइट करता है।

विभागीय झलकियाँ

इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग (ई सी ई)

इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग ने शैक्षणिक, तकनीकी और प्लेसमेंट-संचालित कार्यक्रमों के मिश्रण के माध्यम से नवाचार और छात्र कौशल-निर्माण को बढ़ावा देने की अपनी परंपरा को बनाए रखा।

भाग लिए गए कार्यक्रम:

डॉक्टरल स्कॉलर श्री मनीष जांगी ने एस पी आई ई स्टूडेंट ट्रैवल ग्रांट द्वारा समर्थित, एस पी आई ई सेंसिंग एंड इमेजिंग 2025 कॉन्फ्रेंस, मैड्रिड, स्पेन (15-18 सितंबर 2025) में एमएनआईटी का प्रतिनिधित्व किया। उनकी प्रस्तुति ने ऑप्टिक्स और फोटोनिक्स में विभाग के बढ़ते अनुसंधान पदचिह्न को उजागर किया।

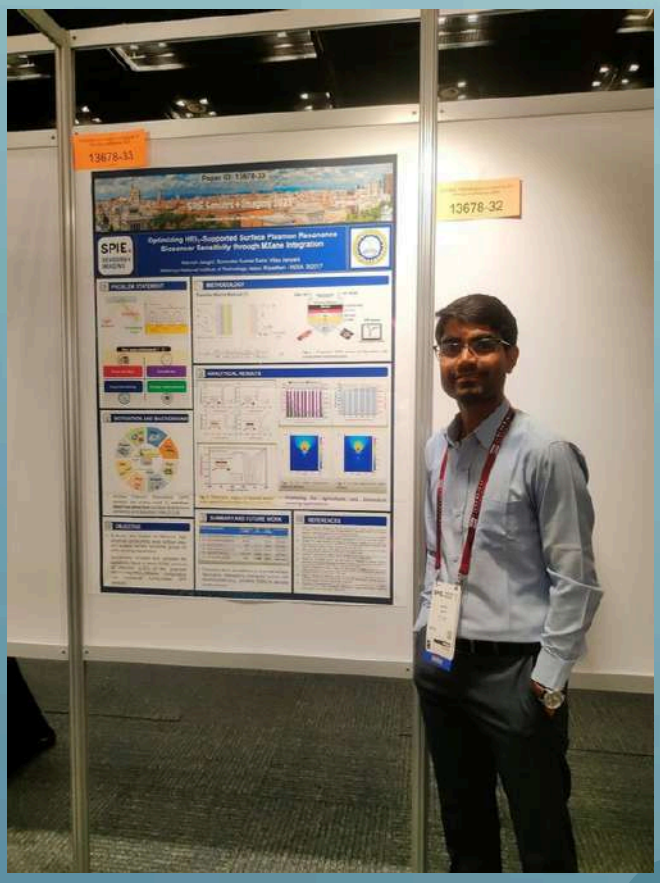

आयोजित कार्यक्रम:

प्लेसमेंट क्लब ने कई प्रभावशाली पहल आयोजित कीं, जिनमें "कोर वर्सेज़ नॉन-कोर" (2 सितंबर 2025) शामिल है, जहां नियुक्त अंतिम वर्ष के छात्रों ने जूनियर्स को विभिन्न क्षेत्रों में करियर विकल्पों पर मार्गदर्शन दिया; और "मिथबस्टर प्लेसमेंट पॉलिसी",एक संवादात्मक जागरूकता सत्र जिसने एमएनआईटी की प्लेसमेंट प्रक्रिया को सरल बनाया।

विभागीय झलकियाँ

इसके अतिरिक्त, छात्रों को रिज्यूमे-निर्माण और एच डी एल प्रोग्रामिंग कौशल से लैस करने के लिए एक रिज्यूमे वेटिंग वर्कशॉप और वेरिलॉग सेशन आयोजित किए गए, जिससे करियर तैयारी और व्यावहारिक सीखने को बढ़ावा मिला।

ह्यूमैनिटीज़ और सोशल साइंसेज विभाग (एचएसएस)

ह्यूमैनिटीज़ और सोशल साइंसेज विभाग ने शैक्षणिक कार्यक्रमों की एक समृद्ध श्रृंखला के माध्यम से अंतःविषय शिक्षा, नैतिकता और अनुसंधान उत्कृष्टता को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया।

आयोजित कार्यक्रम:

फ्रेशकनेक्ट (20 अगस्त 2025): नए रिसर्च स्कॉलर्स के लिए पहला ओरिएंटेशन विभाग के सहयोग और नवाचार की भावना से परिचित कराया।

कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम 6.0 (5-9 सितंबर 2025): ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहयोग से आयोजित, यह कोर्स लीडरशिप, कम्युनिकेशन और करियर ग्रोथ पर केंद्रित था।

डेटा एनालिसिस के लिए ए एम ओ एस पर टू-डे वर्कशॉप (25-26 सितंबर 2025): रिसर्च स्कॉलर्स के लिए स्टैटिस्टिकल मॉडलिंग टूल्स का हैंड्स-ऑन एक्सपोज़र प्रदान किया।

विभागीय झलकियाँ

स्वच्छता प्लेज (29 सितंबर 2025): "स्वच्छता ही सेवा 2025" कैम्पेन के अंडर कंडक्टेड किया गया, जो एनवायर्नमेंटल रिस्पॉन्सिबिलिटी को रीइनफोर्स करता है।

आमंत्रित वार्ताएं:

डॉ. दीप्ति शर्मा ने जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (21 अगस्त 2025) में पॉलिसी चैलेंजेज़ पर एक स्टेकहोल्डर राउंडटेबल लेड किया।

डॉ. निधि बंसल ने आई सी एस एस आर रिसर्च मेथडोलॉजी कोर्स (10-19 सितंबर 2025, सी यू राज) में रिसोर्स पर्सन के रूप में सर्व किया।

डिपार्टमेंट ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग

डिपार्टमेंट ने रिसर्च और इंडस्ट्री कोलैबोरेशन का एक स्ट्रॉन्ग ब्लेंड शोकेस किया।

आयोजित कार्यक्रम:

ई एंड आई सी टी एकेडमी, एमएनआईटी जयपुर की एजिस में, मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आई टी, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया द्वारा फंडेड, 1-5 सितंबर 2025 तक "स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग एंड इंडस्ट्री 4.0 सॉल्यूशन्स" पर एक एफ डी पी ऑर्गनाइज़ किया गया।

विभागीय झलकियाँ

आमंत्रित वार्ताएं:

डॉ. राजीव अग्रवाल ने औद्योगिक इंजीनियरों के 67वें राष्ट्रीय सम्मेलन (अगस्त 2025) में स्थिरता के लिए ए आई-संचालित औद्योगिक इंजीनियरिंग पर सत्रों की अध्यक्षता की और इनोवेशन हब, जयपुर में नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र पर एक मुख्य भाषण दिया।

डॉ. तपस बाजपेयी ने युवा पेशेवर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सितंबर 2025) में "ट्रांसफॉर्मिंग वेल्डिंग प्रैक्टिसेज़ थ्रू ऑटोमेशन एंड ए आई" सत्र की अध्यक्षता की।

धातुकर्म और सामग्री इंजीनियरिंग विभाग (एमएमई)

आयोजित कार्यक्रम:

विभाग ने आर्य कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के सहयोग से "एक्सप्लोरिंग मेटलर्जी फॉर मैकेनिकल इनोवेशन" पर एक दिवसीय कार्यशाला की मेजबानी की (20 सितंबर 2025)।

आमंत्रित वार्ताएं:

डॉ. रणधीर कुमार सिंह ने उद्योग में धातुकर्म पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (30-31 अगस्त 2025) के दौरान एल्युमीनियम मिश्र धातुओं के गैर-विनाशकारी मूल्यांकन में प्रगति पर एक वार्ता दी।

डॉ. दीपंकर पांडा ने “Capacity Building in Process Metallurgy (CBPM 2025)” सम्मेलन (26–27 जुलाई, 2025) में “शुद्ध मैग्नीशियम (Mg) और उसके मिश्रधातुओं में दाने के विकास के दौरान सूक्ष्मसंरचना, बनावट तथा यांत्रिक गुणों के विकास” विषय पर व्याख्यान दिया।

सामग्री अनुसंधान केंद्र (एमआरसी)

एम आर सी ने विशेष तकनीकी कार्यक्रमों के माध्यम से अनुसंधान प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पर अपना ध्यान बनाए रखा।

आयोजित कार्यक्रम:

स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी पर एक लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम (15-19 सितंबर 2025) ने एस ई एम संचालन और विश्लेषण में व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया।

इसके अतिरिक्त, एंटोन पार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से रियोलॉजी पर एक दिवसीय कार्यशाला (24 जुलाई 2025) ने प्रतिभागियों को उन्नत सामग्री प्रणालियों में श्यानता और चिपचिपाहट के सिद्धांतों से परिचित कराया।

छात्र उपलब्धियां

छात्र उपलब्धियां

हमें यह साझा करते हुए गर्व हो रहा है कि एमएनआईटी जयपुर के एक प्रतिष्ठित छात्र श्री विदित अवस्थी को 11 अक्टूबर 2025 को संस्थान के 19वें दीक्षांत समारोह में निदेशक का उत्कृष्ट स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। यह प्रतिष्ठित सम्मान उनकी असाधारण शैक्षणिक उत्कृष्टता, नेतृत्व और एमएनआईटी समुदाय में योगदान को स्वीकार करता है। विदित का समर्पण और उत्कृष्टता की खोज संस्थान के मूल्यों को मूर्त रूप देती है और उनके साथियों के लिए एक प्रेरणा के रूप में कार्य करती है।

हमें यह घोषणा करते हुए समान रूप से प्रसन्नता हो रही है कि हर्षवर्धन शर्मा, ए आई डी ई विभाग के द्वितीय वर्ष के बी.टेक छात्र ने ओपन ए आई द्वारा संचालित पहली चैट जी पी टी लैब इंडिया से सफलतापूर्वक स्नातक की उपाधि प्राप्त की। देशभर में केवल 28 छात्रों में चयनित, हर्षवर्धन ने इस अग्रणी समूह में एमएनआईटी जयपुर का प्रतिनिधित्व किया। डॉ. महीपाल जाडेजा (ए आई डी ई) द्वारा निर्देशित, उन्होंने ए आई-संचालित शिक्षा और नवाचार की खोज, शैक्षणिक सहायता के लिए एक कस्टम जी पी टी की अवधारणा और नैतिक तथा जिम्मेदार ए आई उपयोग पर जोर देने वाला पांच सप्ताह का कार्यक्रम पूर्ण किया।

OpenAI India

CERTIFICATE OF PARTICIPATION

This is to certify that

Harshvardhan Sharma

of Malaviya National Institute of Technology, participated in the inaugural cohort of 28 students in the ChatGPT Lab for Students, India, and contributed to the program's mission to uncover and share new ways students use ChatGPT for learning.

Bailey Richardson
Community, OpenAI
30/09/2025

ChatGPT Lab
for students

अनुसंधान उपलब्धियां और परियोजनाएं

परियोजनाएं

रासायनिक इंजीनियरिंग विभाग

"डेवलपमेंट ऑफ मल्टीफंक्शनल पॉलीमर/ग्राफीन नैनोकम्पोजिट्स फॉर स्पेस एप्लिकेशन्स [अक्टूबर-2025]" इसरो, लागत (लाख):25.07, पी आई: डॉ. विकास कुमार सांगल

इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग

"डिज़ाइन, डेवलपमेंट, एंड टेस्टिंग ऑफ कन्फॉर्मल वियरेबल एंटीना फॉर स्मार्ट हेलमेट (एम एस एस सर्विसेज़) [अक्टूबर-2025]" इसरो, लागत (लाख):30.32, पी आई: डॉ. रितु शर्मा

"डेवलपमेंट ऑफ अ स्मार्ट एम्बेडेड प्रोटोटाइप फॉर ऑटोमेटेड यूरिनालिसिस ऑफ कैटल [सितंबर-2025]" स्टॉकवेल सोलर सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड (एस एस एस पी एल), लागत (लाख):10.30, पी आई: डॉ. भरत चौधरी

"डेवलपमेंट ऑफ अ स्मार्ट एम्बेडेड वियरेबल असिस्टिव डिवाइस फॉर द विज़ुअली इम्पेयर्ड [अगस्त-2025]" स्टॉकवेल सोलर सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड, लागत (लाख):10.50, पी आई: डॉ. कुलदीप सिंह

धातुकर्म और सामग्री इंजीनियरिंग विभाग

"फॉर्मिंग लिमिटिंग डायग्राम (एफ एल डी) जेनरेशन एंड ऑप्टिमाइज़ेशन ऑफ कोल्ड फॉर्मिंग ऑफ के सी 20 डब्ल्यू एन कोबाल्ट बेस्ड सुपर एलॉय फॉर रॉकेट नोज़ल डाइवर्जेंट [अक्टूबर-2025]", इसरो-आर ए सी एस, लागत (लाख):21.67, पी आई: डॉ. रणधीर कुमार सिंह

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग

"रीसाइक्लिंग स्टील मेल्टिंग स्लैग फॉर वेल्डिंग एप्लिकेशन्स अ सस्टेनेबल फ्लक्स अल्टरनेटिव इन सबमर्ज्ड आर्क वेल्डिंग [सितंबर-2025]", इस्पात मंत्रालय, भारत, लागत (लाख):73.65, पी आई: डॉ. जिनेश कुमार जैन

डॉ. अनोज मीणा को एवरग्रीन एंटरप्राइजेज द्वारा वित्त पोषित, 3 लाख रुपये मूल्य की "डेवलपमेंट ऑफ नॉवेल मटीरियल टू एन्हांस सर्विस लाइफ ऑफ एग्जिस्टिंग स्यूएज ट्रीटमेंट टैंक्स" पर एक अनुसंधान एवं विकास परियोजना स्वीकृत की गई है।

राष्ट्रीय आपदा शमन एवं प्रबंधन केंद्र

"अर्थक्वेक रेजिस्टेंट डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ ट्यूबुलर सेक्शन-बेस्ड स्टील मोमेंट रेजिस्टिंग फ्रेम्स [सितंबर-2025]", इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार, लागत (लाख): 218.01, पी आई: डॉ. जगज्योति पांडा

कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग

"डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड मोबाइल सिक्योरिटी एंड एनालिसिस सॉल्यूशन्स", मीटी वाई (सी एस आर डी स्कीम), लागत (लाख): 99.15, पी आई: डॉ. स्मिता नवल

"सिटीजेन-सेंट्रिक डिजिटल ट्विन फॉर नेक्स्ट जेनरेशन स्मार्ट सिटी", अमृत, लागत (लाख): 64, पी आई: डॉ. रमेश बाबू बट्टुला

संकाय उपलब्धियाँ

ऊर्जा और पर्यावरण केंद्र:
डॉ. कपिल पारीक और श्री कार्तिक कुमार को पेटेंट प्रदान किया गया।

रासायनिक इंजीनियरिंग विभाग:
डॉ. वीरेंद्र कुमार साहरान को आउटस्टैंडिंग टीचर अवार्ड, एमएनआईटी जयपुर प्राप्त हुआ।

इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग (ईसीई)

- डॉ. अमित महेश जोशी को विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों (एल्सेवियर–स्टैनफोर्ड 2025) में शामिल किया गया है।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग:
डॉ. राजीव अग्रवाल को औद्योगिक इंजीनियरिंग में योगदान के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग से फेलोशिप प्राप्त हुई।

धातुकर्म और सामग्री इंजीनियरिंग विभाग:
डॉ. बांडी सुरेश को साइंटिफिक रिपोर्ट्स (स्प्रिंगर नेचर) के संपादकीय बोर्ड में चुना गया।

सामग्री अनुसंधान केंद्र विभाग:
डॉ. भागवती शर्मा साइंटिफिक रिपोर्ट्स (नेचर पब्लिशिंग ग्रुप) के संपादकीय बोर्ड में शामिल हुए।

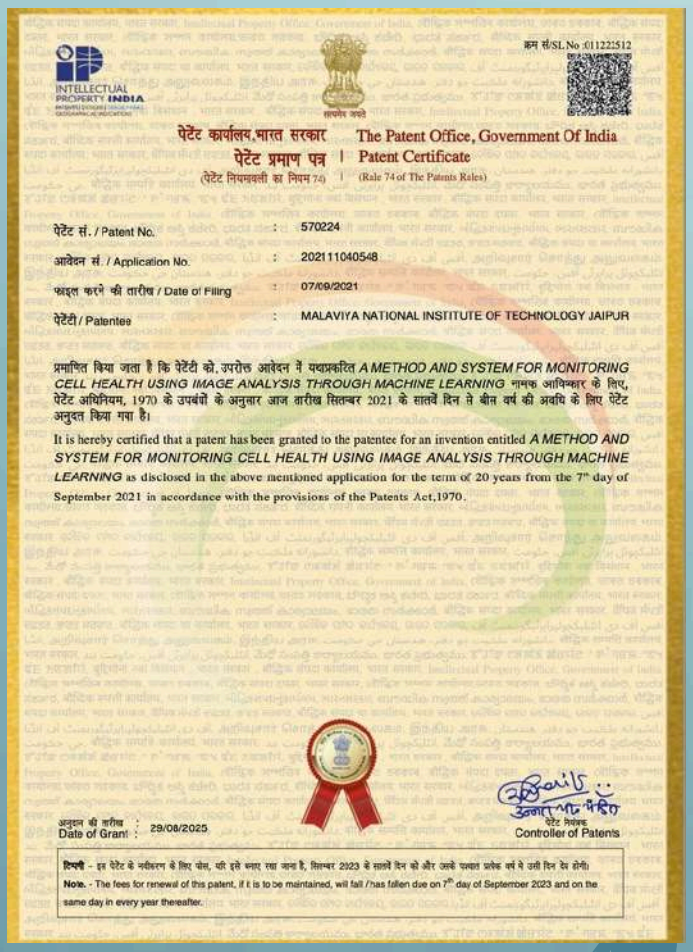

संकाय उपलब्धियाँ

प्रो. एन. पी. पाढ़ी को डिस्टिंग्विश्ड एलुम्नाई अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया

एमएनआईटी जयपुर के लिए यह गर्व का क्षण है क्योंकि प्रो. एन. पी. पाढ़ी, निदेशक, एमएनआईटी जयपुर को उनके अल्मा मेटर, थियागराजर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (टी सी ई), मदुरै द्वारा शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए टी सी ई डिस्टिंग्विश्ड एलुम्नाई अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार 26 सितंबर 2025 को एक समारोह के दौरान प्रदान किया गया, जिसमें चार पद्म श्री और पद्म भूषण पुरस्कार विजेताओं, जिनमें इसरो वैज्ञानिक इंजीनियर एस. नम्बी नारायणन भी शामिल थे, को भी सम्मानित किया गया। इस मान्यता के माध्यम से, प्रो. पाढ़ी को देश के विज्ञान और प्रौद्योगिकी में सबसे प्रतिष्ठित योगदानकर्ताओं में से कुछ के साथ रखा गया है।

प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी, निदेशक एमएनआईटी जयपुर को इंस्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर्स (आई ई टी ई), भारत द्वारा शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित आई ई टी ई–बिमल बोस अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार 27 सितंबर 2025 को सी एस आई ओ, चंडीगढ़ में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्री अजय कुमार, अध्यक्ष, यू पी एस सी द्वारा प्रदान किया गया। यह सम्मान प्रो. पाढ़ी के अभूतपूर्व अनुसंधान और अनुकरणीय शैक्षणिक नेतृत्व के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में उनके उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देता है।

सम्मेलन और सेमिनार

रसायन विज्ञान विभाग

- डॉ. बिमान बंद्योपाध्याय — 9वां एशियन एंड ओशियानियन स्पेक्ट्रोस्कोपी कॉन्फ्रेंस (ए ओ एस सी-2025), गोवा (21–25 सितंबर 2025) — विषय: मेथनॉल–एच$_2$एस कॉम्प्लेक्स में हाइड्रोजन-बॉन्डिंग का स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन (इनर्ट-मैट्रिक्स स्पेक्ट्रोस्कोपी)।
- डॉ. राजकुमार जोशी — इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंट इन केमिकल साइंसेज़ (आई सी एस डी सी एस 2025), अकाल यूनिवर्सिटी, पंजाब (20–22 अगस्त 2025) — विषय: टिकाऊ, मूल्य-वर्धित कार्बनिक रूपांतरण (आयरन-आधारित उत्प्रेरण / हरित रसायन विज्ञान)।
- डॉ. राजकुमार जोशी — आमंत्रित व्याख्यान, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब (19 अगस्त 2025) — विषय: आयरन-आधारित कार्बनिक रूपांतरण (स्केलेबल/हरित संश्लेषण)।

कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग (सी एस ई)

- डॉ. मुश्ताक अहमद एंड टीम — आई ई ई ई एम सी एस ओ सी 2025 (सिंगापुर); आई ई ई ई सी आई सी एन 2025 (एन आई टी गोवा); आई ई ई ई स्मार्टनेट्स 2025 (इस्तांबुल) — विषय: नेटवर्क-ऑन-चिप प्रदर्शन; फेडरेटेड लर्निंग में मॉडल-पॉइज़निंग के विरुद्ध सुरक्षा; सुरक्षित मल्टीमोडल डेटा एन्क्रिप्शन; चिकित्सा छवि (मौखिक-गुहा) का पता लगाने के लिए डीप-लर्निंग मॉडल।

इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग (ई सी ई)

- श्री मनीष जांगी (पीएचडी स्कॉलर) — एस पी आई ई सेंसिंग एंड इमेजिंग 2025, मैड्रिड, स्पेन (15–18 सितंबर 2025) — विषय: प्रकाशिकी और फोटोनिक्स / सेंसिंग और इमेजिंग अनुसंधान (एक शोध लेख प्रस्तुत किया; एस पी आई ई छात्र यात्रा अनुदान)।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग

- आशुतोष कुमार, एच. चेल्लादुरै, तपस बाजपेयी एंड विवेक पांडे — यंग प्रोफेशनल्स इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस (टेलर एंड फ्रांसिस), एन एस यू टी नई दिल्ली — विषय: टी आई जी-एम आई जी हाइब्रिड वेल्डिंग में ऊष्मा प्रवाह और तनाव का परिमित-तत्व मॉडलिंग (वेल्डिंग धातुकर्म / सिमुलेशन)।
- डॉ. राजीव अग्रवाल — 67वां राष्ट्रीय सम्मेलन एंड 9वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (तिरुवनंतपुरम, अगस्त 2025) — विषय: स्थिरता के लिए ए आई-संचालित औद्योगिक इंजीनियरिंग (सत्र अध्यक्षता / तकनीकी नेतृत्व)।
- डॉ. तपस बाजपेयी — यंग प्रोफेशनल्स इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस — विषय: स्वचालन, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग और ए आई के माध्यम से वेल्डिंग प्रथाओं का रूपांतरण (सत्र अध्यक्ष / विशेषज्ञ वार्ता)।

डीनरी पहलें

डीन अनुसंधान एवं परामर्श (आर एंड सी)

अनुसंधान और परामर्श (आर एंड सी) डीनरी, एमएनआईटी जयपुर ने 10 सितंबर, 2025 को मालवीय सभागार में "आत्मनिर्भर भारत के लिए त्वरक और लेजर प्रौद्योगिकी" विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। सत्र प्रो. ए. सी. पांडे, निदेशक, अंतर विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र (आईयूएसी), नई दिल्ली द्वारा दिया गया, और इसमें 100 से अधिक छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। प्रो. ए. सी. पांडे ने त्वरक और लेजर प्रौद्योगिकियों में भारत की प्रगति और दृष्टिकोण को उजागर किया, राष्ट्रीय पहलों और वैज्ञानिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में उन्नत अनुसंधान की भूमिका पर जोर दिया।

डीन अंतर्राष्ट्रीय और पूर्व छात्र मामले

इस तिमाही की प्रमुख पहलों में स्मार्ट ग्रिड, एआई-आधारित पूर्वानुमान और विद्युत प्रणाली अनुसंधान में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर, आरवीपीएनएल के साथ एक समझौता ज्ञापन (7 अक्टूबर, 2025) पर हस्ताक्षर करना शामिल था।

एमएनआईटीजेएए फाउंडेशन डे और क्रिस्टल जुबली एलुमनाई मीट (24 अगस्त, 2025) सहित पूर्व छात्र कार्यक्रमों की एक श्रृंखला ने पूर्व छात्रों की सहभागिता को मजबूत किया। वॉक-ओ-रन (28 सितंबर, 2025) ने 1,100 से अधिक प्रतिभागियों को आकर्षित किया, जिससे फिटनेस और सामुदायिक बंधन को बढ़ावा मिला।

संयुक्त कार्यक्रमों की खोज के लिए सुश्री ज़ोए ब्राउन (आरएमआईटी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया) की यात्रा के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग आगे बढ़ा। एमएनआईटी ने एमआईटी-डब्ल्यूपीयू गोवा के साथ शिक्षा के भविष्य पर राष्ट्रीय विजनिंग सम्मेलन (9 सितंबर, 2025) की भी मेजबानी की, जिसने शैक्षिक परिवर्तन में संस्थान के नेतृत्व को प्रदर्शित किया।

डीनरी पहलें

डीन स्टूडेंट वेलफेयर – वेलनेस क्लब

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस: सुनने की कला

डीएसडब्ल्यू ऑफिस, एमएनआईटी जयपुर के वेलनेस क्लब द्वारा "द आर्ट ऑफ लिसनिंग – बिल्डिंग एम्पैथी थ्रू कम्युनिकेशन" शीर्षक से एक कार्यशाला 10 अक्टूबर 2025 को मालवीय सभागार में वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे के अवसर पर आयोजित की गई।

यह सत्र डॉ. रितिका महाजन, वेलनेस कोऑर्डिनेटर और असिस्टेंट प्रोफेसर, डीएमएस, द्वारा संचालित किया गया। उन्होंने बताया कि सहानुभूतिपूर्ण सुनना कैसे भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत करता है, संघर्ष को कम करता है, और मानसिक स्वास्थ्य को समर्थित करता है।

सत्र के दौरान उन्होंने उन आम संचार बाधाओं पर भी चर्चा की —जैसे अत्यधिक समझाना, तुरंत दिलासा देना, और अनचाही सलाह देना—जो अक्सर सहानुभूति को प्रभावित करती हैं।

लगभग 80 विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने इंटरैक्टिव गतिविधियों, भूमिका-निभाने और चिंतन अभ्यासों में भाग लिया, जिनमें सुनने और सच में ध्यानपूर्वक सुनने के बीच अंतर को उजागर किया गया। प्रतिभागियों ने इस रिलेटेबल दृष्टिकोण की सराहना की और भविष्य के सत्रों में रुचि व्यक्त की। कार्यशाला ने इस बात पर जोर दिया कि सुनना केवल एक कौशल नहीं है, यह सहानुभूति और सजगता का कार्य है, जो एक करुणामय और भावनात्मक रूप से स्वस्थ कैंपस निर्माण के लिए आवश्यक है।

डीन, संकाय कल्याण – शिक्षक दिवस सम्मान समारोह

9 सितंबर 2025 को एमएनआईटी जयपुर में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जो डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती को समर्पित था। कार्यक्रम की शुरुआत पुष्पांजलि अर्पित करने से हुई, जिसके बाद माननीय निदेशक प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी का स्वागत किया गया।

प्रोफेसर अमर पटनायक, डीन (फ़ैकल्टी वेलफ़ेयर), ने इस समारोह की पृष्ठभूमि साझा की और इस कार्यक्रम की शुरुआत करने के लिए निदेशक के प्रति आभार व्यक्त किया। अपने संबोधन में प्रोफेसर एन. पी. पाढ़ी ने उत्कृष्ट शिक्षकों के चयन प्रक्रिया पर विस्तार से बताया, जिसमें छात्र प्रतिक्रिया और समिति मूल्यांकन शामिल थे, और डॉ. राधाकृष्णन की सीख और प्रेरणा की विरासत पर भी चिंतन किया।

उन्होंने स्नातक श्रेणी में पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं की घोषणा की, डॉ. अशिष त्रिपाठी (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग) और डॉ. वीरेन्द्र कुमार सहारण (रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग)। पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को उनकी लगन, निष्ठा और धैर्य के सम्मान में स्मृति-चिह्न और प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समारोह का समापन मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग की डॉ. निराजा सरस्वत द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

डीनरी पहलें

एमएनआईटी जयपुर में अनुसंधान और नवाचार को नई उड़ान

अनुसंधान एवं परामर्श डीनरी द्वारा बीओजी द्वारा स्वीकृत फैकल्टी सीड ग्रांट्स (FSG) के प्रथम चरण की सफल पूर्णता की घोषणा की गई है। इस पहल के अंतर्गत 30 संकाय सदस्यों का चयन किया गया है, जिन्हें अत्याधुनिक अनुसंधान और नई प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु प्रत्येक को ₹5 लाख की राशि स्वीकृत की गई है। इस प्रकार कुल ₹1.5 करोड़ की राशि एमएनआईटी जयपुर में अनुसंधान को प्रोत्साहन देने के लिए प्रदान की गई है।

सीड ग्रांट्स के अतिरिक्त, संस्थान द्वारा अनुसंधान अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण,जिसमें प्रयोगशाला उपकरण और सॉफ्टवेयर सुविधाएँ शामिल हैं,के लिए ₹10.49 करोड़ से अधिक की राशि आवंटित की गई है। यह सहयोग संपूर्ण अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने और संकाय सदस्यों को उच्च-प्रभावी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाने हेतु प्रदान किया गया है।

यह पहल संस्थान के निदेशक, प्रो. नरायणा प्रसाद पाढ़ी के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप संभव हो पाई है, जिनके प्रयासों ने शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने वाला वातावरण तैयार किया है।

डीनरी पहलें

केंद्रीय पुस्तकालय

केंद्रीय पुस्तकालय ने तीन प्रमुख प्रशिक्षण कार्यक्रमों की मेजबानी की —

- सीएएस साइफाइंडर डिस्कवरी प्लेटफॉर्म (21 अगस्त, 2025),
- वेब ऑफ साइंस पर रिसर्च कॉमन्स (9 सितंबर, 2025), और
- बीआईएस "स्टैंडर्ड एरिना" कॉर्नर का उद्घाटन (3 सितंबर, 2025)।

इन पहलों का उद्देश्य अनुसंधान पहुंच को मजबूत करना और छात्रों एवं संकाय के बीच मानकीकरण जागरूकता को बढ़ावा देना है।

ALCOM ओरिएंटेशन कार्यक्रम

ALCOM ओरिएंटेशन कार्यक्रम 8 अक्टूबर 2025 को आयोजित किया गया, जिसने एक और उत्पादक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत को चिह्नित किया। सत्र की शुरुआत अतिथियों के आमंत्रण और पुष्प स्वागत से हुई, जिसके बाद डॉ. पवन कॉल्ला (एसोसिएट डीन, पूर्व छात्र मामलों), डॉ. आशीष दत्त शर्मा (अध्यक्ष, MNITJAA) और एसोसिएट प्रोफेसर एम. एल. मीणा (फैकल्टी कोऑर्डिनेटर) द्वारा प्रेरणादायक संबोधन दिए गए।

कार्यक्रम में ALCOM परिचय प्रेज़ेंटेशन शामिल था, जिसमें क्लब की पहलों और पूर्व छात्रों के साथ संबंधों को मजबूत करने में उसके योगदान को उजागर किया गया। प्रत्येक उप-टीम—मैगज़ीन, इवेंट मैनेजमेंट, डेकोर, टेक्निकल और कल्चरल,ने अपने कार्यक्षेत्र प्रस्तुत किए और नए सदस्यों को शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

शाम का समापन भर्ती साक्षात्कारों के साथ हुआ, जहाँ उत्साही छात्रों ने अपने कौशल प्रदर्शित किए और ALCOM के मिशन में योगदान देने की इच्छा व्यक्त की। यह कार्यक्रम छात्रों और पूर्व छात्रों के बीच नेतृत्व, सहयोग और सहभागिता को बढ़ावा देने के प्रति ALCOM की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पूर्व छात्र सहभागिता

यूएसए पूर्व छात्र कनेक्ट टूर: वैश्विक संबंधों को मजबूत करना

एमएनआईटी जयपुर के अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच के एक भाग के रूप में, प्रो. नारायण प्रसाद पाढ़ी, निदेशक, एमएनआईटी जयपुर ने शैक्षणिक सहयोग को गहरा करने और वैश्विक पूर्व छात्र समुदाय के साथ जुड़ने के लिए यूएसए पूर्व छात्र कनेक्ट टूर की शुरुआत की।

एनवाईयू टैन्डन स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग में, पूर्व छात्र प्रो. निखिल गुप्ता द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान, प्रो. एन. पी. पाढ़ी ने प्रो. रमेश कर्री सहित वहाँ के संकाय सदस्यों से भेंट की और रोबोटिक्स एवं एआई लैब्स का दौरा किया, जिसके बाद एक इंटरैक्टिव अलुमनाई मीट हुई।

दूसरे दिन, उन्होंने श्री सुदीप दास (सिविल, 1994) द्वारा आयोजित एक लंचन में पूर्व छात्रों को संबोधित किया और बाद में यूएसए ईस्ट कोस्ट अलुमनाई गाला में शामिल हुए, जिसका आयोजन श्री महेश मोटीरामानी (ईसीई, 1996) और श्री पंकज फौजदार (मेटलर्जी, 2001) द्वारा किया गया था। इस कार्यक्रम में 120 से अधिक प्रतिभागियों ने उपस्थिति दर्ज की।

अटलांटा में, प्रो. एन. पी. पाढ़ी ने शैक्षणिक नेताओं से मुलाकात की और नवाचार तथा अनुसंधान में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। इसके बाद उन्होंने अटलांटा अलुमनाई रीयूनियन में भाग लिया, जहाँ एमएनआईटी स्नातकों की वैश्विक उपलब्धियों का उत्सव मनाया गया।

पूरे दौरे ने एमएनआईटी जयपुर की वैश्विक जुड़ाव, अनुसंधान सहयोग और सशक्त, एकजुट पूर्व छात्र नेटवर्क के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत किया।

पूर्व छात्र सहभागिता

वॉक-ओ-रन

28 सितंबर, 2025 को सुबह 6:15-7:30 बजे, एमएनआईटी जयपुर ने एमएनआईटी जयपुर एलुमनाई एसोसिएशन के सहयोग से शारीरिक फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए वॉक-ओ-रन का आयोजन किया। कार्यक्रम को प्रो. एन. पी. पाढ़ी, निदेशक, एमएनआईटी जयपुर, और प्रो. ए. पी. एस. राठौर, वरिष्ठतम संकाय पूर्व छात्र द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया गया। 5 किमी दौड़ में संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, छात्रों और दिल्ली एनसीआर, अलवर, भरतपुर और यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व छात्रों सहित 1,100 से अधिक धावकों की उत्साही भागीदारी देखी गई। प्रतिष्ठित प्रतिभागियों में प्रो. दिलीप शर्मा (डीन, अंतर्राष्ट्रीय और पूर्व छात्र मामले), प्रो. राकेश जैन (प्लेसमेंट इंचार्ज), डॉ. आशीष दत्त शर्मा (अध्यक्ष, एमएनआईटीजेएए), डॉ. पवन कल्ला (एसोसिएट डीन, पूर्व छात्र मामले), और श्री महेंद्र मीना (महासचिव, एमएनआईटीजेएए), अन्य शामिल थे। प्रो. पाढ़ी ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और उनके उत्साह और भावना की सराहना की। कार्यक्रम का समापन पदक वितरण और जलपान के साथ हुआ, जिसमें सहनशक्ति, सौहार्द और जीवंत एमएनआईटी समुदाय की भावना का जश्न मनाया गया।

स्थापना दिवस और क्रिस्टल जुबली एलुमनाई मीट – एमएनआईटी जयपुर एलुमनाई एसोसिएशन

"एमएनआईटी जयपुर ने एमएनआईटी जयपुर एलुमनाइ एसोसिएशन (MNITJAA) के सहयोग से नीति सभागार, एमएनआईटी जयपुर में स्थापना दिवस और क्रिस्टल जयंती एलुमनाइ मीट का आयोजन किया। समारोह की शुरुआत पारंपरिक स्वागत और दीप प्रज्वलन के साथ हुई।"

पूर्व छात्र सहभागिता

प्रकाश व्यवस्था और संस्थान के कुलगीत के प्रस्तुतीकरण। विशिष्ट अतिथियों में शामिल थे, श्री अशिष अरोड़ा (निदेशक, नारायण समूह), श्री समय सिंह (आईपीएस, तमिलनाडु कैडर), प्रो. ए.बी. गुप्ता (कार्यवाहक निदेशक एवं वरिष्ठतम सीनियर एलुमनस), प्रो. दिलीप शर्मा (डीन, अंतरराष्ट्रीय एवं पूर्व छात्र मामलों), डॉ. आशीष दत्त शर्मा (अध्यक्ष, MNITJAA), डॉ. पवन कल्ला (एसोसिएट डीन, पूर्व छात्र मामलों), और श्री महेंद्र मीणा (महासचिव, MNITJAA) ने समारोह की शोभा बढ़ाई और उपस्थित जनों को संबोधित किया।

यह आयोजन हाल ही में नियुक्त 20 से अधिक आईएएस और आरएएस पूर्व छात्रों के सम्मान का भी साक्षी बना, जिन्हें उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के उपलक्ष्य में स्मृति-चिह्न प्रदान किए गए। इस समारोह ने संस्थान की दीर्घकालिक विरासत और मजबूत पूर्व छात्र नेटवर्क को उजागर किया। कार्यक्रम का समापन सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, औपचारिक रात्रिभोज और समूह फोटोग्राफ के साथ हुआ, जो गर्व, संबंध और संस्थागत उत्कृष्टता की भावना को दर्शाता है।

पूर्व छात्र सहभागिता

पूर्व छात्र सहभागिता

अन्य गतिविधियां:

“आगामी विश्वविद्यालय की परिकल्पना: शिक्षा के भविष्य पर बहुविषयी संवाद” पर राष्ट्रीय दृष्टि सम्मेलन

MIT वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी, गोवा ने “एनविज़निंग टुमॉरोज़ यूनिवर्सिटी: ए ट्रांसडिसिप्लिनरी डायलॉग ऑन द फ्यूचर ऑफ एजुकेशन” विषय पर राष्ट्रीय विज़निंग कॉन्फ्रेंस का आयोजन MNIT जयपुर में किया। इस कार्यक्रम में भारत में उच्च शिक्षा के बदलते परिदृश्य और भविष्य की दिशा पर चर्चा के लिए 30 से अधिक शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों और MIT-WPU के पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन MNIT जयपुर के निदेशक प्रो. एन. पी. पाढ़ी द्वारा किया गया और इसका मार्गदर्शन प्रो. डी. पी. अग्रवाल (पूर्व UPSC अध्यक्ष) ने किया। सम्मेलन का आयोजन डॉ. धनश्री थरकुडे, AD, MIT-WPU और डॉ. सुरभि रज़दान, फ़ैकल्टी, इंजीनियरिंग, MIT-WPU द्वारा किया गया।

प्रतिभागियों को सम्मान प्रमाणपत्र प्रो. दिलीप शर्मा (डीन, इंटरनेशनल एवं एलुमनाई अफेयर्स), डॉ. पवन कल्ला (एसोसिएट डीन, एलुमनाई अफेयर्स) और डॉ. प्रेरणा जैन (एसोसिएट डीन, नेशनल एवं इंटरनेशनल अफेयर्स) द्वारा प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण प्रो. डी. पी. अग्रवाल को शिक्षा और नेतृत्व के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया विशेष सम्मान था।

पुस्तकालय क्षेत्र

"ऑक्सफोर्ड जर्नल्स के साथ कैसे प्रकाशित करें" पर कार्यशाला

केंद्रीय पुस्तकालय ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (ओयूपी) के सहयोग से छात्रों, शोधकर्ताओं और संकाय के लिए 19 अगस्त, 2025 (दोपहर 3:00 बजे–4:30 बजे) को "ऑक्सफोर्ड जर्नल्स के साथ कैसे प्रकाशित करें" पर एक वर्चुअल कार्यशाला का आयोजन किया। सुश्री सुमिता सेन, कस्टमर ट्रेनिंग मैनेजर, ओयूपी के नेतृत्व में, सत्र ने पांडुलिपि तैयारी, जर्नल चयन और पीयर-रिव्यू प्रक्रिया में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान की। पुस्तकालय शैक्षणिक प्रकाशन पर यह सूचनात्मक और आकर्षक सत्र आयोजित करने के लिए ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस और सुश्री सुमिता सेन को आभार व्यक्त करता है।

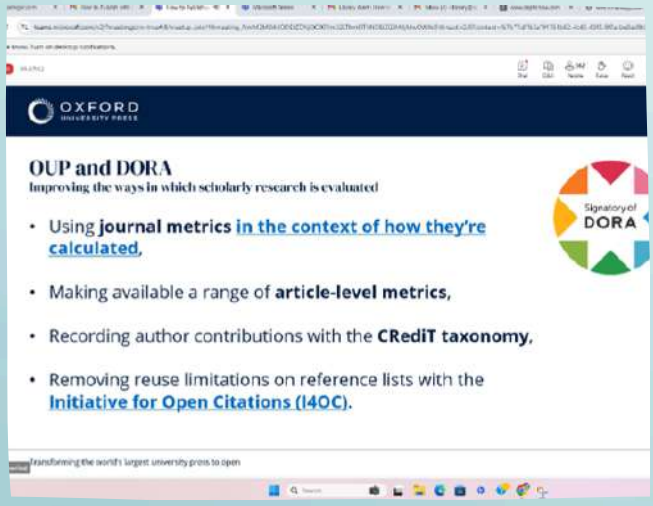

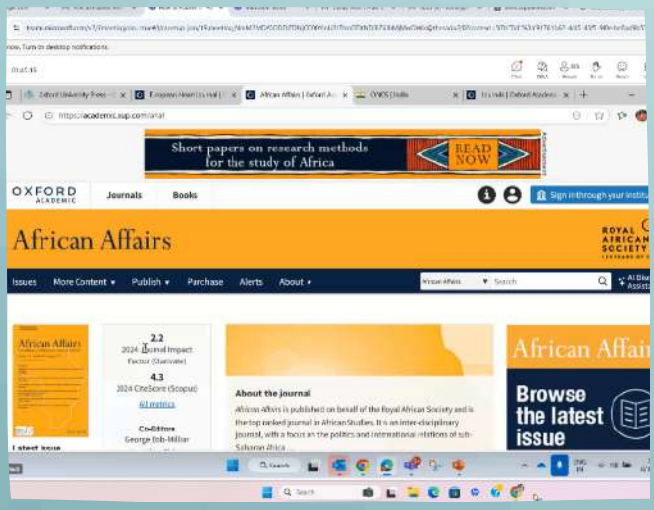

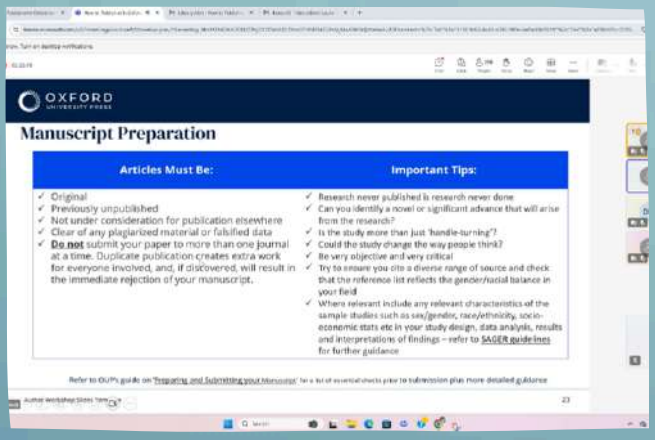

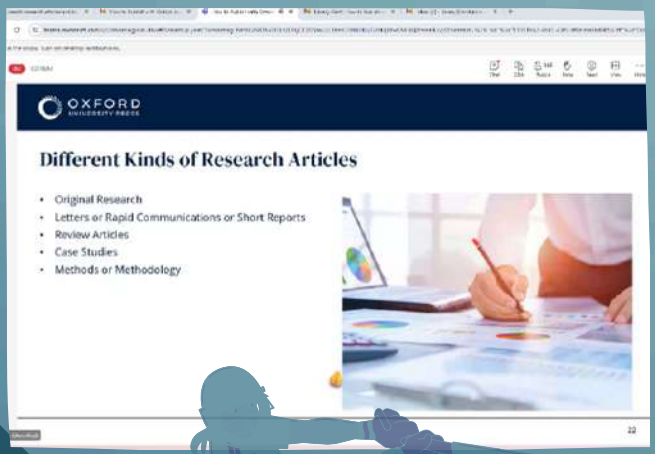

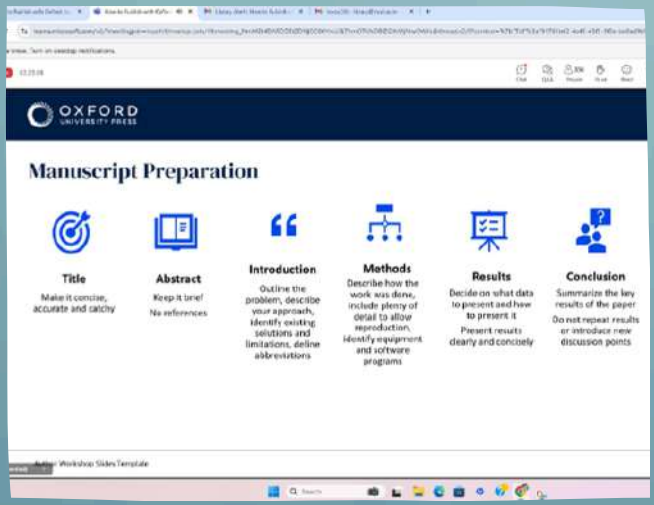

पुस्तकालय क्षेत्र

"सीएएस साइफाइंडर डिस्कवरी प्लेटफॉर्म" पर प्रशिक्षण सत्र

केंद्रीय पुस्तकालय ने छात्रों, संकाय और कर्मचारियों के लिए 21 अगस्त, 2025 की सुबह (सुबह 10:00 बजे–12:30 बजे) "सीएएस साइफाइंडर डिस्कवरी प्लेटफॉर्म" पर एक उपयोगकर्ता जागरूकता सत्र का आयोजन किया। श्री मिलिंद वाघ, प्रिंसिपल अकाउंट मैनेजर – साइंटिफिक सॉल्यूशंस, एसीएस इंटरनेशनल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित, सत्र ने प्रतिभागियों को प्लेटफॉर्म की अनुसंधान सुविधाओं से परिचित कराया और वैज्ञानिक खोज को आगे बढ़ाने में इसके अनुप्रयोगों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. ऋषि तिवारी, पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा स्वागत भाषण के साथ हुई, और डॉ. सचिन कटगी, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुई। केंद्रीय पुस्तकालय एक आकर्षक और सारगर्भित सत्र प्रदान करने के लिए श्री वाघ की सराहना करता है जिसने एमएनआईटी समुदाय के बीच डिजिटल अनुसंधान संसाधनों की जागरूकता को बढ़ाया।

पुस्तकालय क्षेत्र

"वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन – एक्सप्लोर. एंगेज. एक्सेल: अनुसंधान और अभ्यास के लिए लिपिनकॉट संसाधनों को अनलॉक करना" पर वेबिनार

वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओएनओएस) पहल के हिस्से के रूप में, वोल्टर्स क्लूवर ने एमएनआईटी जयपुर के छात्रों, संकाय और कर्मचारियों के लिए 22 अगस्त, 2025 को दोपहर 3:00 से 4:00 बजे तक "एक्सप्लोर. एंगेज. एक्सेल: अनुसंधान और अभ्यास के लिए लिपिनकॉट संसाधनों को अनलॉक करना" शीर्षक से एक वेबिनार का आयोजन किया। गोटू प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित, सत्र में सुश्री रुचि तुषिर, श्री राजीव कुमार और डॉ. देविका मदल्ली संसाधन व्यक्तियों के रूप में उपस्थित थीं। प्रशिक्षण ओएनओएस के तहत लिपिनकॉट विलियम्स एंड विल्किंस (एलडब्ल्यूडब्ल्यू) संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर केंद्रित था, जो प्रतिभागियों को शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए विद्वतापूर्ण सामग्री तक पहुंच और उपयोग करने पर मार्गदर्शन करता है। केंद्रीय पुस्तकालय इस सूचनात्मक और समृद्ध सत्र के आयोजन के लिए वोल्टर्स क्लूवर को आभार व्यक्त करता है।

बीआईएस कॉर्नर का उद्घाटन – "स्टैंडर्ड एरीना"

केंद्रीय पुस्तकालय ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के सहयोग से 3 सितंबर, 2025 को "स्टैंडर्ड एरीना" का उद्घाटन किया, एक समर्पित बीआईएस कॉर्नर जिसका उद्देश्य भारतीय मानकों और गुणवत्ता आश्वासन के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। कॉर्नर का उद्घाटन श्री प्रमोद कुमार तिवारी, महानिदेशक, बीआईएस, और प्रो. एन. पी. पाढ़ी, निदेशक, एमएनआईटी जयपुर द्वारा किया गया। निदेशक ने मानकीकरण को बढ़ावा देने और परिसर में गुणवत्ता की संस्कृति को प्रोत्साहित करने वाली इस प्रभावशाली पहल के लिए पुस्तकालय टीम और डॉ. ऋषि तिवारी, पुस्तकालयाध्यक्ष की सराहना की।

पुस्तकालय क्षेत्र

"वेब ऑफ साइंस पर रिसर्च कॉमन्स के साथ और अधिक खोजें" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण

"वेब ऑफ साइंस पर रिसर्च कॉमन्स के साथ और अधिक खोजें" पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र 9 सितंबर, 2025 को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक आयोजित किया गया, जिसे डॉ. सुभाश्री नाग, स्ट्रैटेजिक कस्टमर सक्सेस कंसल्टेंट, क्लैरिवेट द्वारा संचालित किया गया। उन्होंने नए रिसर्च कॉमन्स डेटाबेस का लाइव प्रदर्शन प्रदान किया, जो व्यापक जर्नल कवरेज और उद्धरण नेटवर्क के माध्यम से अनुसंधान खोज को कैसे विस्तारित करता है, इसे उजागर किया। केंद्रीय पुस्तकालय एमएनआईटी समुदाय के लिए इस समृद्ध सत्र के आयोजन के लिए डॉ. नाग और क्लैरिवेट को धन्यवाद देता है।

हिंदी सप्ताह के दौरान हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी

हिंदी सप्ताह के दौरान, 15-19 सितंबर, 2025 तक, केंद्रीय पुस्तकालय, एमएनआईटी जयपुर ने विज्ञान, इंजीनियरिंग, मानविकी, साहित्य और धर्म में रचनाओं को प्रदर्शित करते हुए एक हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी की मेजबानी की। प्रदर्शनी ने छात्रों, संकाय, कर्मचारियों और राजभाषा समिति के सदस्यों की उत्साहपूर्ण भागीदारी को आकर्षित किया, जिन्होंने हिंदी भाषा और साहित्य को बढ़ावा देने में पुस्तकालय के प्रयासों की सराहना की।

पुस्तकालय क्षेत्र

"Books are the means by which we build bridges between cultures"
Dr. Sarvepalli Radhakrishnan
मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर
राजभाषा प्रकोष्ठ
हिन्दी पखवाड़ा 2025
हिन्दी पुस्तकों की प्रदर्शनी

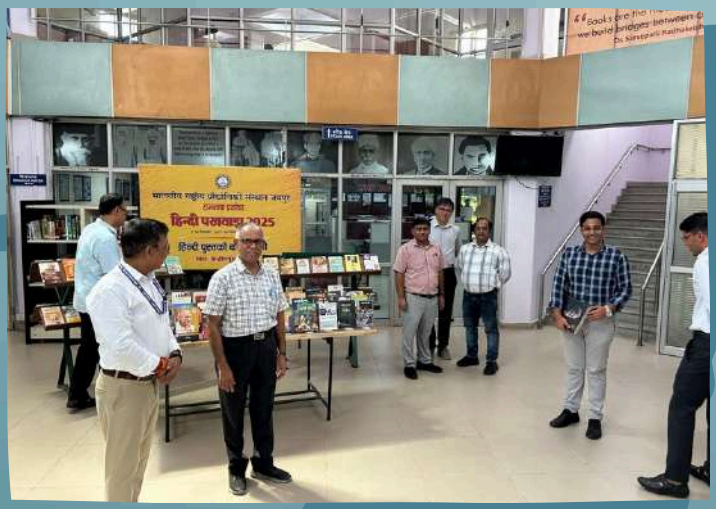

पुस्तकालय क्षेत्र

बी.आर्क. छात्रों के लिए पुस्तकालय ओरिएंटेशन

केंद्रीय पुस्तकालय ने वास्तुकला और नियोजन विभाग के सहयोग से 19 सितंबर, 2025 को पुस्तकालय सेमिनार हॉल में बी.आर्क. छात्रों के लिए पुस्तकालय ओरिएंटेशन का आयोजन किया। चार बैचों में आयोजित, सत्र में पुस्तकालय का एक निर्देशित दौरा और आरएफआईडी सेल्फ-चेक सिस्टम का प्रदर्शन शामिल था। सेमिनार सत्र के दौरान, डॉ. सचिन कटगी, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष ने छात्रों को प्रमुख पुस्तकालय सेवाओं, ई-संसाधनों और ओपन-एक्सेस टूल्स से परिचित कराया। पुस्तकालय कार्यक्रम को सुविधाजनक बनाने में समर्थन के लिए प्रो. राजीव श्रींगी, विभागाध्यक्ष को आभार व्यक्त करता है।

वेलनेस केंद्र

सुकून और उम्मीद से भरी कहानियाँ

सिनेमा हमारे दिलों का आईना बनने का एक अद्भुत तरीका रखता है। इस महीने वेलनेस क्लब आपको दो बेहद संवेदनशील फिल्मों, The Illegal और Homebound, के माध्यम से आत्मचिंतन के लिए आमंत्रित करता है। दोनों ही फिल्में दिखाती हैं कि कैसे जीवन की कठिन से कठिन व्यक्तिगत और सामाजिक परिस्थितियों में भी उम्मीद जन्म ले सकती है।

The Illegal (2021)

यह पुरस्कार-विजेता ड्रामा हसन की कहानी है, एक युवा भारतीय छात्र जो फ़िल्ममेकर बनने का सपना लेकर अमेरिका पहुँचता है। लेकिन जल्द ही वह अवैध प्रवास की कठोर वास्तविकताओं में फँस जाता है। पढ़ाई और लंबे घंटों तक काम करने के बीच संघर्ष करते हुए, वह अकेलेपन, अपराधबोध और अपनी पहचान के खोने जैसी चुनौतियों से जूझता है। The Illegal को प्रभावी बनाती है इसकी संवेदनशील और वास्तविक प्रवासी जीवन की झलक—जहाँ महत्वाकांक्षा और अस्तित्व की लड़ाई आमने-सामने खड़ी होती हैं। यह फिल्म हर उस व्यक्ति के दिल को छूती है जिसने कभी सपनों का पीछा करते हुए खुद को खोया हुआ महसूस किया हो, और याद दिलाती है कि निराशा से उभरने में कितनी शांत, फिर भी गहरी ताक़त लगती है।

Homebound (2025)

Homebound दो बचपन के दोस्तों, चंदन और शोएब, की कहानी है, जो महामारी के बाद के भारत में आर्थिक असमानता और सामाजिक पूर्वाग्रहों से लड़ते हैं। व्यवस्था में मौजूद अन्याय के बीच, फिल्म दोस्ती, अपनापन और "घर" के भावनात्मक अर्थों को बारीकी से खोजती है। फिल्म की भावनात्मक गहराई इसकी ईमानदारी और संवेदना में है, यह दिखाती है कि बहिष्कार और गरिमा की लड़ाई किस तरह दैनिक जीवन की छोटी-छोटी बातों में छिपी होती है। यह हमें करुणा, और "घर" के भौतिक और भावनात्मक दोनों मायनों पर सोचने के लिए प्रेरित करती है।

दोनों फ़िल्में याद दिलाती हैं कि वेलनेस केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है; यह देखे जाने, सुने जाने और जुड़े होने के एहसास से भी जुड़ा है। ये कहानियाँ दृढ़ता का उत्सव हैं, कैसे लोग कठिनाइयों में भी अर्थ, समुदाय और उम्मीद ढूँढकर आगे बढ़ते हैं।

यदि ये विषय आपको छूते हैं, या आप स्वयं संतुलन खोजने की कोशिश कर रहे हैं, तो निःसंकोच संपर्क करें: **coordinator.wellness@mnit.ac.in**

सादर,

ऋतिका

कोऑर्डिनेटर, वेलनेस

स्टूडेंट वेलफेयर ऑफिस

एमएनआईटी समाचारों में

यक्षम समाचार पत्रिका | जयपुर, बुधवार, 29 अक्टूबर, 2025 | 2

एमएनआईटी जयपुर में सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 का शुभारंभ

● यक्षम समाचार पत्रिका

जयपुर। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 का शुभारंभ केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC) के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में किया गया। इस वर्ष का विषय है – सतर्कता: हमारी साझा जिम्मेदारी। सप्ताह की शुरुआत के अवसर पर निदेशक प्रो. एन. पी. पाढी द्वारा प्रभा भवन के समक्ष संस्थान के सभी संकाय सदस्यों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलाई गई।

प्रतिज्ञा समारोह के दौरान एमएनआईटी परिवार के सभी सदस्यों ने ईमानदारी, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के मूल्यों को अपने व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में बनाए रखने का

राजस्थान पत्रिका, जयपुर शनिवार, 30 अगस्त, 2025 P. N. 23

एनआइटी में ओरिएंटेशन कार्यक्रम

...डेंट्स को बताई पॉजिटिव हैबिट्स, ...ग और एरोबिक्स भी सिखाया

...र @ पत्रिका प्लस. जेएलएन ... स्थित मालवीय राष्ट्रीय ...की संस्थान (एमएनआइटी) में ...हे चार दिवसीय ओरिएंटेशन के ...दिन शुक्रवार को चार कार्यक्रम ...समें फिजिकल एंड मेंटल हेल्थ ...वेटी में एक्सपर्ट्स ने स्टूडेंट्स ...ग, एरोबिक्स और मेडिटेशन ...या। इसके बाद दूसरे सत्र में ... ओरिएंटेशन, कैंपस टूर और ...स वर्कशॉप आयोजित की गई। ...के पर एमएनआइटी डायरेक्टर ...न. पी. पाढ़ी ने बताया कि जब ... बार कॉलेज कैंपस में स्टूडेंट्स ...हैं तो वे फ्रेश माइंड होते हैं। ऐसे

छात्रों को बताई स्पेशलिटी

तीसरे सत्र में दो टॉक शोज का आयोजन किया गया। पहले टॉक शो के मुख्य वक्ता अक्षयपात्र के प्रेसिडेंट ... से दूरी और हरे कृष्णा मंत्र के जाप की जानकारी दी। वहीं दूसरे टॉक शो में हरी भक्ति दास ने छात्रों को

दैनिक भास्कर, जयपुर, रविवार 12 अक्टूबर, 2025 P. N. 36

MNIT CONVOCATION | ओवरऑल 1386 डिग्री में से 27% गर्ल्स को मिलीं

20 छात्रों को गोल्ड मेडल, 30 दिव्यांग छात्रों ने बीटेक की डिग्री हासिल की

सिटी रिपोर्टर • जयपुर

हंसते-मुस्कुराते चेहरों के बीच पैरेंट्स भी सुकून भरी मुस्कान के साथ नजर आए। भला सुकून और तसल्ली चेहरे पर होती क्यूं न... सालों की मेहनत के परिणाम को स्टूडेंट्स डिग्री के रूप में प्राप्त जो कर रहे थे। मौका था एमएनआईटी के 19वें कन्वोकेशन प्रोग्राम का। इस अवसर पर सत्र 2024-25 से ओवरऑल 1386 डिग्रियां दी गईं। अच्छी बात रही कि इनमें 27 फीसदी गर्ल्स को मिलीं। यह इस बात का प्रतीक है कि इंजीनियरिंग में फीमेल स्टूडेंट्स की संख्या लगातार बढ़ रही है। 154 को पीएचडी की डिग्री मिली, जबकि पिछले साल 79 को मिली थी। यानी इस बार 75 स्टूडेंट्स को अधिक पीएचडी डिग्री मिली। पिछले सालों की तुलना में 30 से अधिक दिव्यांग स्टूडेंट्स ने भी बीटेक डिग्री प्राप्त की। चलने और देखने में असमर्थ स्टूडेंट्स को उनके साथी डिग्री प्राप्त करने के लिए स्टेज पर लेकर पहुंचे। 20 स्टूडेंट को गोल्ड मेडल दिए गए। इनमें भी फीमेल स्टूडेंट्स की संख्या अधिक रही।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान समारोह में शामिल

फैमिली सपोर्ट... व्हील चेयर ने दिया साथ : 26 वर्षीय सौम्य गुप्ता के पिता अरुण बताते हैं- 6 साल की उम्र में पता चला कि बेटे को ब्रेन ट्यूमर है। 2016 में तीसरी सर्जरी बीएमसीएचआरसी में हुई। 6 महीने तक आवाज चली गई, पैरों पर खड़ा नहीं हो सका। जेईई की ऑनलाइन कोचिंग शुरू की। छोटा भाई सहज पढ़ाने लगा। बेटा व्हील चेयर पर निर्भर है, हाथ कांपते हैं। राइटर की मदद से परीक्षा दी। एमएनआईटी में एडमिशन के बाद मां ने नौकरी

8 | दैनिक नवज्योति | जयपुर, बुधवार, 8 अक्टूबर 2025

एमएनआईटी और प्रसारण निगम के बीच हुआ एमओयू

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर और राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड द्वारा संचालित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर जयपुर के बीच विद्युत क्षेत्र में नई तकनीक अपनाने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते का उद्देश्य ज्ञान साझाकरण, अनुसंधान एवं विकास, कौशल संवर्द्धन और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देना है। प्रसारण निगम के अध्यक्ष

फैकल्टी, उद्योग, संवाद जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा और उद्योग के बीच सम्बन्धों को सुदृढ़

दैनिक मृदुल पत्रिका | गुरुवार, 09 अक्टूबर, 2025 | 2

हिंदी कार्यशाला का आयोजन

जयपुर (मृदुल पत्रिका)। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर में 8 अक्टूबर को राजभाषा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में हिंदी कार्यशाला 2025 का आयोजन बैठक कक्ष, केन्द्रीय पुस्तकालय में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10.30 बजे अतिथियों के आगमन, मंचासीन होने एवं स्वागत सत्कार से हुआ। कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक डॉ. राजेश कुमार मीना, सहायक निदेशक, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण ... विषय- कार्यालय पत्राचार में सरकारी पत्र एवं अर्ध सरकारी पत्र का अनुप्रयोग रहा। इस विषय के बारे में विस्तार से प्रमुख प्रशिक्षक ने अवगत करवाया, जिसमें शैक्षणिक व अशैक्षणिक वर्ग से उत्साह जनक तरीके से सभी लोगों ने अपनी भागीदारी को सुनिश्चित किया। तत्पश्चात् सह समन्वयक, राजभाषा डॉ. ऋषि तिवारी ने उपस्थित जन को संबोधित किया।

हिंदी कार्यशाला के अंतर्गत दो सत्रों का आयोजन हुआ। कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। सहायक

समाचार जगत | जयपुर, 13 अगस्त, 2025 | 11

एमएनआईटी में एंटी रैगिंग दिवस मनाया

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जयपुर में एन्टी रैगिंग दिवस 2025 मनाया गया जिसमें नव प्रवेशित विद्यार्थियों को तथा ऐन्टी रैगिंग दस्ता को नियमों से परिचित करवाया गया। मुख्य अतिथि प्रो. रोहित गोयल व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. कनुप्रिया सचदेव ने संस्थान निदेशक प्रो. एन. पी. पाढी के संदेश का शुभारम्भ किया। पूरे सप्ताह पोस्टर, स्लोगन व निबन्ध प्रतियोगिता के साथ नुक्कड़ नाटक व विशेषज्ञो के व्याख्यान का आयोजन किया।

एमएनआईटी समाचारों में

दिव्य राष्ट्र जयपुर, रविवार, 17 अगस्त 2025 **3**

एमएनआईटी जयपुर ने 79वां स्वतन्त्रता दिवस मनाया

■ दिव्य राष्ट्र

जयपुर। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एम.एन.आई.टी.) जयपुर का विशाल परिसर शुक्रवार को देशभक्ति की भावना से गूंज उठा, जब संस्थान ने 79वां स्वतंत्रता दिवस परंपरा, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और राष्ट्र के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि के जीवंत संगम के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत निदेशक प्रो. एन. पी. पाढ़ी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के गरिमामय आरोहण से हुई। इस दौरान छात्र-छात्राएं, संकाय सदस्य, कर्मचारी एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा राष्ट्रगान गाया गया। अपने संबोधन में प्रो. पाढ़ी ने स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत की अद्भुत यात्रा का उल्लेख किया और देश के भविष्य को संवारने में एम.एन.आई.टी. जैसे अग्रणी संस्थानों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने संस्थान को स्वच्छ और हरित परिसर बनाने की दिशा में हाल के प्रयासों का उल्लेख कर उनकी सराहना भी कि, जिनमें कचरा प्रबंधन और नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग जैसी पहल शामिल हैं। ध्वजारोहण के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उत्सव को जीवंत बना दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान परिसर में स्थित सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों के उत्साहपूर्ण नृत्य प्रदर्शन से हुई, जिसकी ऊर्जा और रंग-बिरंगी प्रस्तुति ने भारत की समृद्ध लोक परंपराओं को सजीव कर दिया और दर्शकों से भरपूर सराहना प्राप्त की। इसके बाद संस्थान के विद्यार्थियों ने विविध लोक नृत्य शैलियों के माध्यम से एक सुंदर और उत्साहपूर्ण प्रस्तुति प्रस्तुत दी, जो एकता में विविधता की भावना का प्रतीक थी। कार्यक्रम की इसी श्रृंखला में संस्थान के नाट्य क्लब द्वारा एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें भारत के इतिहास के दो महत्वपूर्ण अध्यायों को जीवंत कर प्रस्तुत किया गया। पहले भाग में स्वतंत्रता सेनानियों के साहस, दृढ़ संकल्प और बलिदानों को मार्मिक रूप से दर्शाया गया, जबकि दूसरे भाग में स्वतंत्रता के बाद विज्ञान, अवसंरचना, शिक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राष्ट्र की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में समापन पर संस्थान विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई विविध रंगोलियों के प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया गया एवं साथ ही परिसर में उपस्थित सभी आगुन्तकों द्वारा एक स्वर में वंदे मातरम् का भावपूर्ण गायन किया गया, जिसकी गूंज से समस्त संस्थान परिसर में गर्व एवं एकता के भाव परिपूर्ण हो उठा। इस अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्यगण, कर्मचारीगण, विद्यार्थी और स्थानीय समुदाय के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिससे यह आयोजन केवल परिसर का उत्सव न रहकर राष्ट्र और उसके मूल आदर्शों के प्रति सामूहिक कृतज्ञता का प्रतीक बन गया। देशभक्ति और उल्लास के इस सुंदर संगम के साथ, संस्थान का 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह यह याद दिलाता रहा कि स्वतंत्रता एक अनमोल उपहार होने के साथ-साथ आने वाली भावी पीढ़ियों के लिए एक जिम्मेदारी भी है, जिसे सहेजना और निभाना हम सभी का कर्तव्य है।

---

09 **राजस्थान पत्रिका** जयपुर, बुधवार, 10 सितंबर, 2025

सम्मान समारोह आयोजित

एमएनआइटी : उत्कृष्ट शिक्षकों का हुआ सम्मान

जयपुर@पत्रिका प्लस. एमएनआइटी में मंगलवार को शिक्षक दिवस के उपलक्ष पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर निदेशक प्रो. एन. पी. पाधी और संस्थान के संकाय सदस्य उपस्थित रहे। डीन फैकल्टी वेलफेयर प्रो. अमर ... ने कहा कि शिक्षक दिवस महान शिक्षक डॉ. राधाकृष्णन की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने समाज को सच्चाई और आदर्शों पर चलने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार की घोषणा भी की गई। पुरस्कृत शिक्षकों ने कहा कि मेहनत, धैर्य और ईमानदारी उनके करियर की ...

इंडिया न्यूज जयपुर, रविवार, 12 अक्टूबर 2025 | **02**

दीक्षांत समारोह | मुख्यमंत्री ने दिए गोल्ड मेडल और डिग्री, कहा - 'भारत को तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्मात...

एमएनआईटी ने अनुसंधान के माध्यम से प्रदेश का नाम किया ऊंचा : स...

इंडिया न्यूज नेटवर्क

जयपुर | मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि जो राष्ट्र नई तकनीक और नवाचारों में अग्रणी बनते है, वही दुनिया में नेतृत्व करते हैं। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान ने नवाचार, उद्यमिता और शैक्षिक स्तर के अनुसंधान के माध्यम से राजस्थान का नाम ऊंचा किया है। एमएनआईटी अब ज्ञान, नवाचार और राष्ट्रसेवा का प्रतीक बन चुका है। यह युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे इस विरासत को आगे बढ़ाएं और भारत को केवल तकनीक का उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि निर्माता भी बनाएं। शर्मा शनिवार को मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के 19वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने बी.टेक, एम.टेक, एमएससी, एमबीए एवं आर्किटेक्चर और प्लानिंग में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 21 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल पहनाकर डिग्रियां प्रदान की। साथ ही, हिन्दी भाषा के टेक्निकल जर्नल का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपनी कर्मशीलता को प्रयोगशालाओं, स्टार्टअप्स, उद्योगों और कक्षाओं तक लेकर जाना है। भविष्य सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटर, नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियां और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का है। वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी विद, रणनीतिकार और नवप्रवर्तक भविष्य के नायक होंगे। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी वह कुंजी है जो समृद्धि, सुरक्षा और सम्मान के द्वार खोलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एमएनआईटी का एन.आई.आर.एफ. की रैंकिंग में उत्तर भारत के शीर्ष एन.आई.टी. के रूप में स्थान प्राप्त करना हम सभी के लिए गौरव की बात है। इस संस्थान की अनुसंधान यात्रा में 249 परामर्श परियोजनाएं, 13 करोड़ से अधिक की राशि के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की दक्षिण पश्चिम कमान, रेडिका इंजीनियरिंग और परमाणु ऊर्जा विभाग के अंतर्गत न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्प्लेक्स के साथ एम.ओ.यू. इस संस्थान के लिए नए आयाम स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारा देश विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उपलब्धि अर्जित कर चुका है और अब तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है। अगले दो दशकों में भारत दुनिया की शीर्ष आर्थिक ताकतों में शुमार होगा। उन्होंने कहा कि हमारे युवा, हमारा कौशल और हमारी तकनीकी क्षमता अभूतपूर्व होगी और इस परिवर्तन के केंद्र में युवा शक्ति और एम.एन.आई.टी. जैसे संस्थान होंगे।

स्टार्टअप पॉलिसी ने दिए नवाचार - उद्यमिता के न...

शर्मा ने कहा कि सरकार की स्टार्टअप पॉलिसी ने राज्य के युवाओं को नवाचार और उद्यमिता के नए अवसर प्रदान किए है। एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी लागू की गई है। स्कूली छात्रों में उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आई-स्टार्ट कार्यक्रम का विस्तार किया है। इसके तहत 66 आईस्टार्ट लॉन्चपैड नेस्ट स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि [illegible] कार्यक्रम के तहत अब 2 हजार 2[illegible] स्टार्टअप्स [illegible] तथा 300 स्टार्टअप्स [illegible] फंड से लगभग 11 करोड़ [illegible] फंडिंग प्रदान की गई। [illegible] स्टार्टअप को पुनर्जीवित किए जा रहे हैं।

युवाओं के लिए अर्ली कैरियर प्रोग्राम (टेकबी)

मुख्यमंत्री ने कहा कि बारहवीं कक्षा के पूरा बाद राज्य के युवाओं के लिए कौशल ज्ञान और रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से अर्ली कैरियर प्रोग्राम (टेकबी) शुरू किया है। रिप्स 2024 के तहत, आईटी, आईटीईएस [illegible] एंटी-क्लिप्शन इंसेंटिव के लिए 3 विकल्प दिए जा रहे है, जिनमें 7 वर्ष तक 75 प्रतिशत एसजीएसटी की प्रतिपूर्ति, 20 प्रतिशत कैपिटल सब्सिडी व 1.4 प्रतिशत टर्नओवर-लिंक्ड इंसेंटिव [illegible] इनमें से किसी एक का [illegible] सकता है। सीएम ने कहा [illegible] तक लगभग 91 हजार [illegible] नियुक्तियां दी जा चुकी [illegible] 1 लाख 54 हजार पदों [illegible] परत्रों में प्रक्रियाधीन है। एमएनआईटी जयपुर के [illegible] प्रलय पदी सहित संस्था[illegible] एवं बड़ी संख्या में विद्या[illegible]

दैनिक भास्कर जयपुर, शुक्रवार, 05 सितंबर, 2025 **P. N. 23**

...प्रूव करने वाले 23 स्टूडेंट्स सम्मानित

APPRECIATION CEREMONY

...टी रिपोर्टर • पिछले सेमेस्टर की तुलना ...बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले स्टूडेंट्स को ...रेक्टर एंड डीन के प्रशंसा पत्र प्रदान कर ...म्मानित किया गया। मौका था एमएनआईटी. ...पुर के अब्दुल कलाम हॉल में एप्रिसिएशन ...मनी का।

...समारोह में 2024-25 के दौरान उनके ...हनीय एजुकेशनल इंप्रूवमेंट के लिए ... के 170 स्टूडेंट्स को सम्मानित किया ...। इनमें से पिछले सेमेस्टर की तुलना में ...जीपीए में 1.5 मार्क्स या अधिक इंप्रूव 147 ...डीन प्रशंसा पत्र और सीजीपीए में 1.0 ...र्स या अधिक इंप्रूव करने वाले 23 छात्रों ...डायरेक्टर प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। ये ...

एमएनआईटी में बीआईएस स्टैंडर्ड्स एरीना और 7 स्टूडेंट चैप्टर्स का शुभारंभ

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने शिक्षा जगत तक अपनी पहुंच को मजबूत करते हुए बुधवार को एक ऐतिहासिक कदम उठाया। प्रमोद कुमार तिवारी आईएएस महानिदेशक बीआईएस (डीजी, बीआईएस) ने मालवीय नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जयपुर (एमएनआईटी) के केन्द्रीय पुस्तकालय में स्टैंडर्ड्स एरीना का उद्घाटन किया तथा 7 स्टूडेंट चैप्टर्स की शुरुआत की। बीआईएस ने दो वर्ष पूर्व देशभर के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के साथ 100 से अधिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) ... का मार्ग मिलेगा। इससे भारतीय मानक वैज्ञानिक शोध और तकनीकी उत्कृष्टता पर आधारित होकर विश्वस्तरीय बनेंगे। इस अवसर पर डीजी बीआईएस ने कहा कि भारत को केवल मानकों का उपभोक्ता नहीं, बल्कि वैश्विक मानकीकरण का नेतृत्व कर्ता बनना होगा। जब भारतीय मानक विश्वस्तर पर स्वीकारे जाएंगे, तभी मेक इन इंडिया

MNIT में क्रिस्टल जुबली समारोह

सिटी रिपोर्टर • एमएनआईटी में बी.टेक-2010 और बी.आर्क- 2011 बैच के लिए क्रिस्टल जुबली फेलिसिएशन का आयोजन हुआ। इस मौके पर डब्ल्यूटीपी के एमडी डॉ. अनूप बरतरिया, एमएनआईटी के पूर्व निदेशक प्रो. एपीएस राठौर, डीन इंटरनेशनल एंड एलुमिनी अफेयर्स प्रो. दिलीप शर्मा ने अपने अनुभव साझा किए।

समन्वयक संस्थान समाचार पत्र

डॉ. पारुल माथुरिया
(सहायक प्रोफेसर, ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र)

संपादकीय

डॉ. मेनका
(सहायक प्रोफेसर,
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग)
डॉ. गीतांजलि चट्टोपाढ़ीाय
(सहायक प्रोफेसर, गणित विभाग)
सुप्रिया अवस्थी
(शोधार्थी, ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र)
सन्नी रॉय-न्यूरॉन
(एम.टेक, ऊर्जा एवं पर्यावरण केंद्र)
हिमांक धामानिया
(बी.टेक, सप्तम सेमेस्टर, धातुकर्म)
प्रेम अनुभव
बी.टेक (पंचम सेमेस्टर)
प्रशांत कुमार
बी.टेक (पंचम सेमेस्टर)
शुभम
बी.टेक (तृतीयसेमेस्टर)
सारा तिवारी
बी.टेक (तृतीय सेमेस्टर)
देशना जैन
बी.टेक (प्रथम सेमेस्टर)
सोनू चौधरी
बी.टेक (प्रथम सेमेस्टर)

तकनीकी सहयोग,आउटरीच

डॉ. सद्भावना
(सहायक प्रोफेसर,
कंप्यूटर साइंस अभियांत्रिकी विभाग)
रुद्र प्रताप सिंह
(बी.टेक, पंचम सेमेस्टर,
यांत्रिक अभियांत्रिकी)
सुभ्रजीत रॉय
(बी.टेक, सप्तम सेमेस्टर,
कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग)
शलविन दिदवानिया
(बी.टेक, पंचम सेमेस्टर,
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा इंजीनियरिंग)
रामेश्वर
(बी.टेक, तृतीया सेमेस्टर,
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डेटा इंजीनियरिंग)
आर्यन गोयल
(बी.टेक, तृतीया सेमेस्टर,
इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी)

डिज़ाइन

डॉ. सूरजित घोष
(सहायक प्रोफेसर,
रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग)
आर्क. हिमांशु योगी
(सहायक प्रोफेसर,
वास्तुकला और नियोजन विभाग)
अनामिका लक्ष्मी
(बी.टेक, सप्तम सेमेस्टर, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग)
एस. साई मृधुला
(बी.टेक, पंचम सेमेस्टर, ए.आई. एंड डेटा इंजीनियरिंग)

कंटेंट मैनेजमेंट

डॉ. अनुभा जिंदल
(सहायक प्रोफेसर,
गणित विभाग)
डॉ. बिकाशबिंदु दास
(सहायक प्रोफेसर,
रासायनिक अभियंत्रण विभाग)
पुनीत कुमार झा
(बी.टेक, पंचम सेमेस्टर, रासायनिक अभियांत्रिकी)
विनीत सिंह परिहार
(बी.टेक, पंचम सेमेस्टर, विद्युत अभियांत्रिकी)
रयान कल्याण
(बी.टेक, पंचम सेमेस्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी)
मन्या बजाज
(बी.टेक, पंचम सेमेस्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी)
ऋतिका नीमरोंट
(मास्टर्स, तृतीय सेमेस्टर, पीसीवी)
ऋषु रंजन
(बी.टेक, तृतीय सेमेस्टर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग)
सहज बजाज
(बी.टेक, तृतीय सेमेस्टर, विद्युत अभियांत्रिकी)

कुलगीत

गालव ऋषि की तपोभूमि पर,
प्रौद्योगिकी ज्ञान का संगम ।
विश्वपटल पर आलोकित है,
भारतीय मेधा का परचम ।।
नवरचना के लिए समर्पित,
नूतन अभ्युत्थान ।
जय-जय मालवीय संस्थान ।।1।।

ढूँढ़ाड़ी माटी का उत्सव,
बिखरा यहां गुलाबी वैभव
। भव्य भवन, पथ, जंतर-मंतर,
स्थापत्य, कलाएँ अभिनव ।।
अरावली की उपत्यका में,
ज्ञानोदय अभियान।
जय-जय मालवीय संस्थान ।।2।।

तकनीकी विद्या का साधक,
मानव मूल्यों का आराधक ।
यन्त्र, तन्त्र, अणु-कौशल शिक्षा,
वैज्ञानिक दृष्टि का वाहक ॥
अखिल विश्व हित शोध सर्जना,
भारत का प्रतिमान ।
जय-जय मालवीय संस्थान ।।३।।

जल, थल, अंतरिक्ष अवगाहन,
श्रम से शृंगारित हो जीवन ।
अमृतकाल के अग्रदूत हम,
करते नवयुग का आवाहन ।।
"योगः कर्मसु कौशलम्" का,
गूँज रहा जयगान।
जय-जय मालवीय संस्थान ।।4।।

रचनाकार :
डॉ. इंदुशेखर तत्पुरुष
पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान साहित्य अकादमी, (राज्यमंत्री दर्जा - राजस्थान सरकार)
कवि, आलोचक, निबंधकार एवं संपादक ।

आपकी प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण है!
हमारे काम के बारे में अपनी राय देने या हमारी टीम से संपर्क करने के लिए यहाँ स्कैन करें।